A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 26 मार्च, 2026

सुबह सवेरे

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 202, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

रिटायर्ड जज पद की गरिमा को 'किराए' पर क्यों दे रहे हैं?

एमबी नरगुंड और आदित्य कश्यप

नीरव मोदी ने ब्रिटेन से अपने प्रत्यर्पण को रोकने की जो नई कोशिश वहां की अदालत में की है, उसके समर्थन में भारत के सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस दीपक वर्मा हाल में गवाही देने के लिए खड़े हुए। खबरों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि अगर नीरव मोदी को भारत भेज दिया गया तो वहां सीबीआई, ईडी और दूसरी एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी, जबकि भारत सरकार ने यह औपचारिक आश्वासन दिया है कि उससे सीबीआई या ईडी पूछताछ नहीं करेंगी। ब्रिटेन की एक अदालत में नीरव मोदी के पक्ष में गवाही दी गई। बताया जाता है कि जस्टिस वर्मा ने यह भी संकेत दिया कि ऐसा भरोसा भारतीय अदालतों के लिए ज़रूरी नहीं होगा। इस पर भारत सरकार के वकील ने उनकी विशेषज्ञता पर सवाल उठाया और अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया।

यह मामला 2021 के उस मामले जैसा ही है, जब वेस्टमिंस्टर की अदालत में नीरव मोदी केस की सुनवाई के दौरान रिटायर्ड जस्टिस मार्कण्डेय काटजू ने कहा था कि भारत में नीरव मोदी के मामले की निष्पक्ष सुनवाई नहीं होगी, लेकिन ब्रिटेन की अदालत ने कहा कि उनकी गवाही में निष्पक्षता और विश्वसनीयता की कमी है और इसमें न्यायपालिका के अपने पुराने साथियों के प्रति 'गुस्से का भाव' दिखता है और 'किसी आलोचक के निजी एजेंडा की छाप' नज़र आती है।

लेकिन अब यह मामला किसी एक रिटायर्ड जज, किसी भगोड़े या किसी शर्मनाक खबर की हेडलाइन तक सीमित नहीं रह गया है। भारत के कई रिटायर्ड जज विदेशी अदालतों में पेश हो चुके हैं और भारत या भारत के सरकारी बैंकों के खिलाफ अपनी राय दे चुके हैं। अब इस सिलसिले को नज़रअंदाज करना मुश्किल है।

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण के मामले में बंबई हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस अभय एम. ठिप्से एक विशेषज्ञ गवाह के रूप में पेश हुए और कहा कि भारतीय आरोपपत्र में लगाए गए जालसाजी और दूसरे आरोप भारतीय कानून के तहत साबित नहीं हो पाएंगे।

विजय माल्या के मामले में भी ऐसा हुआ। राजस्थान हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस पाना चंद जैन, माल्या की ओर से विशेषज्ञ गवाह के रूप में पेश हुए थे, जबकि सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व जज बैंकों के पक्ष में पेश हुए थे। विवाद का मुद्दा यह था कि क्या भारतीय कर्ज और वसूली ट्रिब्यूनल का आदेश विदेश में लागू हो सकता है या नहीं।

इसके बाद 2021 में भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बनाम माल्या का मामला आया, जो ब्रिटेन में दिवालियापन की कार्यवाही से जुड़ा था। जस्टिस दीपक वर्मा माल्या की ओर से गवाही दे रहे थे और जस्टिस गौड़ा भारतीय बैंकों की ओर से। ब्रिटिश अदालत ने आखिर में जस्टिस गौड़ा की गवाही को ज्यादा महत्व दिया और कहा कि जस्टिस वर्मा की राय को कानूनी समर्थन नहीं मिला और उनकी गवाही के कुछ हिस्सों को सावधानी से देखने की ज़रूरत है।

सीधी बात यह है कि ये घटनाएं न तो अकेली थीं और न ही अचानक हुईं, बल्कि इनमें एक पैटर्न दिखता है। भारत की संवैधानिक अदालतों के रिटायर्ड जज भगोड़ों, प्रत्यर्पण के आरोपियों और बड़े ऋण-डिफॉल्टरों से जुड़े विदेशी मामलों में गवाह के रूप में पेश हो रहे हैं और भारत या भारतीय संस्थाओं के खिलाफ गवाही देकर अपने पुराने न्यायिक पद का प्रभाव इस्तेमाल कर रहे हैं। न्यायपालिका की चिंता करने वाले हर व्यक्ति के लिए यह गंभीर बात है।

यह साफ होना चाहिए कि यहां क्या कहा जा रहा है और क्या नहीं कहा जा रहा है। यह नहीं कहा जा रहा कि रिटायर्ड जज रिटायर होने के बाद अपने अधिकार खो देते हैं। लेकिन सार्वजनिक बहस में हिस्सा लेने और विदेशी अदालतों में प्रत्यर्पण, दिवालियापन या दूसरे संवेदनशील मामलों में पैसे लेकर विशेषज्ञ गवाह बनकर गवाही देने और अपने पुराने संवैधानिक पद की नैतिक पूँजी और प्रतिष्ठा का इस्तेमाल करने में बड़ा फर्क है।

कोई रिटायर्ड जज किसी दूसरे पेशे से रिटायर हुए व्यक्ति जैसा नहीं होता। न्यायिक पद की प्रतिष्ठा निजी संपत्ति नहीं होती। वह संविधान द्वारा प्रदत्त होती है, संस्थागत विश्वास द्वारा टिकाई जाती है, और इसलिए मान्य होती है क्योंकि जनता यह मानती है कि पक्षपात या लेन-देन से ऊपर होते हैं। इसलिए रिटायर होने के बाद भी उनका प्रभाव बना रहता है। सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट का पूर्व जज किसी आम व्यक्ति की तरह विदेशी अदालत में नहीं खड़ा होता। उसके साथ उस चोगे की गरिमा भी जुड़ी रहती है, जिसे पहनकर उसने शपथ ली थी कि वह भारत के संविधान के प्रति सच्ची निष्ठा रखेगा और भारत की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा करेगा।

इसीलिए अभी जो खालीपन दिख रहा है, वह अस्वीकार्य है। अगर ऐसा चलता रहा तो इसके तीन नतीजे होंगे। पहला, न्यायपालिका की प्रतिष्ठा एक ऐसी चीज बन जाएगी जिसे अमीर भगोड़े, आर्थिक अपराधी और विदेशी कानूनी टीमें अपने काम के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं। दूसरा, संस्थाओं की साख कमजोर होगी। जब कोई रिटायर्ड जज विदेशी अदालत में भारतीय अदालतों, जेलों या सरकारी भरोसे पर सवाल उठाएगा, तो विदेशी अदालतें उसे सिर्फ सामान्य गवाह नहीं मानेंगी, बल्कि ऐसे व्यक्ति के रूप में देखेंगी जो कभी उसी सिस्टम का हिस्सा था जिसकी वह आलोचना कर रहा है। तीसरा, न्यायपालिका ने कोई नियम नहीं बनाया तो उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। संस्था असुरक्षित स्थिति में खड़ी है, फिर भी मौन है। यह चुप्पी टूटनी चाहिए। समाधान न्यायपालिका को ही निकालना चाहिए। उसे खुद पहल करनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट 'फुल कोर्ट' प्रस्ताव या आंतरिक नियम बनाकर अपने और हाईकोर्ट के पूर्व जजों के लिए रिटायरमेंट के बाद के लिए साफ मानक तय कर सकता है, जैसे 'बेंगलुरु सिद्धांत' हैं। ये नियम छोटे, स्पष्ट और लागू करने योग्य होने चाहिए।

रिटायरमेंट के बाद आज़ादी का मतलब यह नहीं होना चाहिए कि जिस संस्था का कभी प्रतिनिधित्व किया, उससे नैतिक रिश्ता खत्म हो जाए। शपथ भले एक समय के बाद खत्म हो जाती है, लेकिन उसका नैतिक असर खत्म नहीं होता। वास्तव में, न्यायिक अनुशासन का सबसे मजबूत आधार न्यायिक स्वतंत्रता ही है। अगर न्यायपालिका खुद अपने लिए नियम नहीं बनाएगी तो दूसरी संस्थाएं ऐसा करने की कोशिश कर सकती हैं, जो ठीक नहीं होगा। आत्म-नियंत्रण से स्वतंत्रता भी बचती है और सम्मान भी।

किसी महान संस्था की कसौटी यह नहीं होती कि वह बाहरी हस्तक्षेप का प्रतिरोध कैसे करती है। उसकी कसौटी यह भी होती है कि क्या वह अपनी आंतरिक कमजोरियों को समय रहते पहचानकर सुधार सकती है, इससे पहले कि जन-विश्वास क्षीण होने लगे। प्रश्न यह है कि क्या सेवानिवृत्ति के बाद न्यायिक चोगा किराये पर दिया जा सकता है।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

तनाव के बीच भारत का 'बैकअप' प्लान कामयाब

● होर्मुज में फंसे टैंकर तो इंडिया ने रूस से खरीदा तेल, वेनेजुएला पर भी है नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और इजरायल ने मिलकर जब ईरान पर हमला किया तो शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ये संघर्ष इतना लंबा चलेगा। हालांकि, ईरान लगातार जवाबी एक्शन कर रहा है। यही नहीं ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट पर ऐसी नाकेबंदी की है, जिससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ने लगा है। पश्चिम एशिया में तनाव का असर भारत पर भी दिख रहा है। इसका जिक्र खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। उन्होंने संसद में कहा कि तीन सप्ताह से अधिक समय हो चुका है। इस युद्ध ने विश्व में गंभीर ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है। इससे निपटने के लिए सात नए ग्रुप्स गठित करने की बात पीएम मोदी ने कही। भारत ने ऐसा बैकअप प्लान तैयार किया जिससे कच्चे तेल का संकट कम हो जाएगा।

● **होर्मुज खुले या नहीं, भारत में नहीं होगा तेल संकट!**– मिडिल ईस्ट में गहराते संकट के बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर तगड़ा प्लान तैयार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अप्रैल में डिलीवरी के लिए रूस से 6 करोड़ बैरल तेल खरीदा है। सूत्रों के मुताबिक, यह तेल ब्रेंट क्रूड के मुकाबले 5 से 15 डॉलर प्रति बैरल के प्रीमियम पर बुक किया।

● **ईरान और इजरायल-अमेरिका जंग के बीच रूस को फायदा**– रूसी तेल की अधिक खरीद के अलावा, भारतीय प्रोसेसर युद्ध के लंबे समय तक चलने के कारण अपनी आपूर्ति में विविधता लाने के लिए अन्य स्रोतों की ओर भी देख रहे हैं। केप्लर के अनुसार, अप्रैल में आने वाले वेनेजुएला के कच्चे तेल की खरीद 8 मिलियन बैरल होने का अनुमान है।

मिला स्थाई दोस्त का साथ

डेटा इंटेलीजेंस फर्म केप्लर के अनुसार, रूसी तेल के कार्गो ब्रेंट के मुकाबले प्रति बैरल 5 से 15 डॉलर के प्रीमियम पर बुक की गई हैं। तेल की ये मात्रा भारत की मौजूदा महीने की खरीद के बराबर है। वहीं फरवरी में खरीदी गई मात्रा से ये दोगुनी है। डेटा इंटेलीजेंस फर्म केप्लर के मुताबिक, भारत ने फरवरी में इससे आधी मात्रा में तेल खरीदा था। हालांकि, ये मात्रा इस महीने की खरीद के समान है, लेकिन फरवरी की तुलना में दोगुनी से अधिक है। रूस से तेल की खरीदारी का ये फैसला ऐसे समय में लिया गया जब हाल ही में अमेरिका ने खरीद को लेकर छूट का दावा किया था। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रभावी रूप से बंद होने के कारण छूट दी है।

भोपाल में दिव्यांग बच्चों के साथ सीएम ने मनाया जन्मदिन

महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने लगाई मेहंदी लिखा- शक्ति का आशीर्वाद

● सीएम ने मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम के नवनिर्मित 'टूरिज्म कैफे कल्चर हाउस' का लोकार्पण किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार कोअपना 61वां जन्मदिन मनाया। भोपाल में मुख्यमंत्री निवास में दिव्यांग बच्चों के साथ सीएम ने जन्मदिन मनाया। मप्र सरकार के मंत्रियों, विधायकों और बीजेपी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने उन्हें सीएम हाउस पहुंचकर बधाई दी।

बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ता हाथों में मेंहदी लगवाकर सीएम को आशीर्वाद देने पहुंचीं। महिलाओं ने हाथों पर लिखा था- 'शक्ति का आशीर्वाद'।

युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने भेंट किया त्रिशूल– बीजेपी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता सीएम हाउस पहुंचे। युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सीएम को त्रिशूल भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी।

सीएम बोले

आज बहनों के आशीर्वाद का दिन– सीएम ने कहा हमारी सरकार के गठन के बाद से बहनों का आशीर्वाद जिस प्रकार से मिला है। पूरे देश के लिए मप्र एक प्रकार से आकर्षक प्रदेश है। आज भले ही मेरा जन्मदिन हो लेकिन, वास्तव में आज का दिन बहनों के आशीर्वाद का दिन है।

चिट्ठियां लेकर पहुंची महिलाएं

बड़ी संख्या में बीजेपी महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने सीएम को हाथ से लिखी चिट्ठियां भेंट कीं। इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे, मंत्री कृष्णा गौर, प्रतिमा बागरी, महिला मोर्चा की महामंत्री मोना सुस्तानी मौजूद रहे। अलग-अलग तरह के गिफ्ट बॉक्स बनाकर महिलाएं सीएम हाउस पहुंचीं।

शरद की सुबह

धूप अपना बिस्तर लपेट कर
हमारी छत पर नहीं रखती
जाड़े सफर पर जाने के पहले आखिरी
लम्हे तक रहते हैं हमारे घर में
लोटते - पोटते हैं मगर जाते वक़्त कुछ
भी छोड़कर नहीं जाते गर्मियों के लिए

हमारे घर आते हैं पैसे दौलतमंद
रिश्तेदारों की तरह खड़े - खड़े
रोकना चाहते हैं हम उन्हें
उन्हें जाना होता है पार्टी
डिनर या लंच में
कौन बुलाता है पैसों को दावतों में

हमारे घर आती है मौत
बैठती है पलंग पर, ज़मीन पर,
कुर्सियों पर
ले जाती है हमारे किसी को
धूप जाड़े रिश्तेदारों और
पैसों के देश में

न जाने वहां क्या होता है
अब्बा तुम खत लिखना
बहन भाई और माँ तो अनपढ़ थे।

- फजल ताबिश

सरकार बोली-35 दिन बाद गैस बुकिंग की बात झूठ

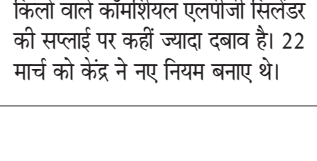

● डिलीवरी के 25 दिन बाद ही बुक होगा दूसरा सिलेंडर
● मोदी सरकार ने किया साफ-नियमों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स को गलत बताया है जिनमें गैस सिलेंडर बुक करने के नियमों में बदलाव की बात कही जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि अब पीएम उज्ज्वला योजना वाले उपभोक्ता अब 45 दिन और नॉन-उज्ज्वला उपभोक्ता दूसरा सिलेंडर 35 दिन बाद ही बुक करा सकेंगे। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने साफ किया है कि ऐसा कोई बदलाव नहीं किया गया है। रिफिल बुकिंग के पुराने नियम ही लागू रहेंगे और उनमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। यानी एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद

दूसरे सिलेंडर की बुकिंग 25 दिन बाद कर सकेंगे। कॉमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पर ज्यादा दबाव 14.2 किलो वाले घरेलू सिलेंडर के मुकाबले 19 किलो वाले कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की सप्लाई पर कहीं ज्यादा दबाव है। 22 मार्च को केंद्र ने नए नियम बनाए थे।

देश में हर नागरिक के लिए समान कानून हो

अमित शाह बोले-यह बीजेपी की प्राथमिकता और संकल्प

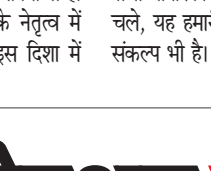

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को गुजरात में भी यूसीसी लागू होने की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात में भी समान नागरिक संहिता विधेयक पारित कर दिया गया है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून हो, यह भाजपा का स्थापना से ही संकल्प रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की राज्य सरकारें इस दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। मुझे हर्ष है कि उत्तराखंड के बाद अब गुजरात ने भी समान नागरिक संहिता विधेयक पारित करने का ऐतिहासिक कार्य कर अपनी प्रतिबद्धता दर्शाई है। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और इस बिल को समर्थन देने वाले सभी विधायकों को बधाई देता हूं। देश तुष्टीकरण के आधार पर नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के लिए समान कानून से चले, यह हमारी प्राथमिकता भी है और संकल्प भी है।

घर के पास पीएनजी पाइपलाइन, तो कनेक्शन लेना ही होगा

● कंपनी 3 महीने का नोटिस देगी, कनेक्शन नहीं लिया तो एलपीजी सप्लाई बंद होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपके घर के पास गैस पाइपलाइन आ गई है और आपने पीएनजी कनेक्शन नहीं लिया है, तो अगले 3 महीने में आपके घर आने वाला एलपीजी सिलेंडर बंद कर दिया जाएगा। मिडिल-ईस्ट में जारी युद्ध और गैस की किल्लत को देखते हुए केंद्र सरकार ने नेचुरल गैस और पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूशन ऑर्डर 2026 लागू किया है। इसके तहत अब पाइप वाली गैस का कनेक्शन लेना अनिवार्य होगा। हालांकि, इसके लिए पहले नोटिस दिया जाएगा। सूचना मिलने के बाद भी अगर कोई कनेक्शन नहीं लेता, तो 90 दिन बाद उसकी एलपीजी सप्लाई रोक दी जाएगी। साथ ही सोसाइटियों को 3 दिन में पाइपलाइन की मंजूरी भी देनी होगी।

● **सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी**– कई बार हाउसिंग सोसायटियों या आरवीए (रेसीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन) के विरोध की वजह से पाइपलाइन का काम रुक जाता था। अब ऐसा नहीं होगा। अगर कोई कंपनी पाइपलाइन के लिए रास्ता मांगती है, तो सोसाइटी को 3 दिन के अंदर मंजूरी देनी होगी। अगर सोसाइटी ने मना किया या देरी की, तो वहां रहने वाले सभी घरों की एलपीजी सप्लाई पर रोक लगाई जाएगी। पाइपलाइन बिछाने के लिए अब सरकारी विभागों को फाइलों को अटकाने की इजाजत नहीं है।

पाइपलाइन के लिए जमीन मालिक को दोगुना मुआवजा

अगर पाइपलाइन किसी की निजी जमीन से गुजर रही है, तो अब मुआवजे को लेकर सालों तक केस नहीं चलेंगे। सरकार ने इसके लिए एक फिक्स फॉर्मूला बना दिया है– जमीन के कमर्शियल सर्किल रेट का 30 फीसदी हिस्सा मालिक को मुआवजे के तौर पर दिया जाएगा। जमीन मालिक अगर आवेदन मिलने के 24 घंटे में मंजूरी दे देता है, तो उसे दोगुना यानी 60 फीसदी मुआवजा मिलेगा। अगर जमीन मालिक मंजूरी नहीं देता है, तो डेजिग्नेटेड अथॉरिटी (कलेक्टर या अन्य अधिकारी) फैसला लेंगे। सरकार ने 14 मार्च को ही एलपीजी कनेक्शन को लेकर नए नियम जारी किए थे।

आठवीं मां महागौरी

वह रूप जो कि सौन्दर्य से भरपूर है, प्रकाशमान है – पूर्ण रूप से सौंदर्य में डूबा हुआ है। प्रकृति के दो छोर या किनारे हैं – एक मां कालरात्रि जो अति भयावह, प्रलय के समान है, और दूसरा मां महागौरी जो अति सौन्दर्यवान, देदीप्यमान, शांत है-पूर्णत: करुणामयी, सबको आशीर्वाद देती हुई।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 26 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

भारत को मिला बड़े गैस सप्लायर अर्जेंटीना का साथ

● बोला-हमारे पास बहुत बड़ा भंडार ,सहयोग का बढ़ाया हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में 26 दिनों से जारी युद्ध की वजह से भारत उन देशों में शामिल हो चुका है, जिसे खासकर गैस का बड़ा संकट झेलना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार दो दिन संसद में बताया है कि उनकी सरकार अपने ऊर्जा स्रोतों के विस्तार पर लगातार काम कर रही है।

उसी कड़ी में भारत का एक ग्लोबल साउथ का सहयोगी अर्जेंटीना खुलकर सामने आया है। दक्षिणी अमेरिकी देश अर्जेंटीना ने बुधवार को कहा कि भारत को इस समय गैस की दिक्कत है और उसके पास इसका बड़ा भंडार है और ऐसे में दोनों देश आपस में मिलकर सहयोग कर सकते हैं। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो अगस्टिन कौसिनो ने उससे भारत के गैस आयात करने की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो अगस्टिन कौसिनो ने एएनआई से कहा है, भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। यह एनर्जी का एक बड़ा आयातक है, जैसा कि दुनिया की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं हैं...मुझे लगता है कि भारत सरकार अपने प्राकृतिक संसाधनों में विविधता लाने की रणनीति पर काम कर रही है...जो कि बहुत ही सकारात्मक है।

अर्जेंटीना के पास प्राकृतिक गैस का विशाल भंडार

इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के अनुसार साल 2024 तक अर्जेंटीना के पास लगभग 458 अरब क्यूबिक मीटर प्राकृतिक गैस का भंडार था। हालांकि, इसने यह भी कहा है कि तकनीकी तौर पर इसके पास इस प्राकृतिक संसाधन का भंडार अनुमानित क्षमता से कहीं ज्यादा हो सकता है। अर्जेंटीना के अनुसार दोनों देश कृषि और मिनरल्स पर भी सकारात्मक सहयोग के लिए काम कर रहे हैं। अर्जेंटीना के नेशनल गैस एंड ऑयल कंपनी के प्रेसीडेंट पिछले साल दो बार भारत आए और ऊर्जा क्षेत्र में लगी कई भारतीय कंपनियों के लीडरों और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी से भी मिले। इस समय भारत की एलपीजी सप्लाई विदेशों से आती है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मुख्यमंत्री निवास में भेंट कर शुभकामनाएँ दीं।

संक्षिप्त समाचार

'सुप्रीम' आदेश,पब्लिक इवेंट्स में वंदेमातरम् अनिवार्य नहीं

● कहा-जब इसके लिए सजा होने लगेगी, तब विचार करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम गाने को लेकर गृह मंत्रालय के सर्कुलर के खिलाफ दायर याचिका कर दी। कोर्ट ने कहा कि पब्लिक प्लेस और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए जारी यह निर्देश अनिवार्य नहीं है। सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका समय से पहले दायर की गई है। मामला सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच में था। बेंच ने कहा कि गृह मंत्रालय की एडवाइजरी में वंदेमातरम न गाने पर किसी भी तरह की सजा का प्रावधान नहीं है। बेंच ने कहा- ये दिशा निर्देश केवल एक प्रोटोकॉल हैं और इनका पालन करना अनिवार्य नहीं है। जब याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी, या फिर उसके लिए गाना अनिवार्य किया जाएगा, तब हम इन सब बातों पर ध्यान देंगे।

इच्छामृत्यु के बाद हरीश राणा का अंतिम संस्कार

● पिता हाथ जोड़कर बोले-कोई रोना मत अंगदान से 6 को नई जिंदगी मिलेगी

गाजियाबाद (एजेंसी)। इच्छामृत्यु पाने वाले गाजियाबाद के हरीश राणा का अंतिम संस्कार हो गया। दिल्ली के ग्रीन पार्क श्मशान घाट में बुधवार सुबह 9.40 बजे छोटे भाई आशीष ने मुखाग्नि दी। इससे पहले, हरीश का पार्थिव शरीर श्मशान घाट लाया गया। पिता अशोक राणा (62) ने बेटे हरीश को आखिरी बार प्रणाम किया। पिता ने रोते हुए लोगों से हाथ जोड़कर कहा- कोई रोना मत। बेटा शांति से जाए, इसलिए प्रार्थना कर रहा हूं। बेटा अब जहां जन्म ले, उसे भगवान का आशीर्वाद मिले। 31 साल के हरीश ने कल यानी 24 मार्च को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली थी। वे 13 साल से कोमा में थे। डॉक्टर्स के मुताबिक परिवार ने हरीश के फेफड़े, दोनों किडनी और कॉर्निया दान किया है। इससे 6 लोगों को नया जीवन मिलने की उम्मीद है। हरीश को एम्स में पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने हरीश को 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी।

बंगाल वोटर लिस्ट में डिस्प्ले एरर हुआ ठीक : चुनाव आयोग

● ईसी ने किया मामला साफ ,टीएमसी का आयोग पर हमला

नई दिल्ली/कोलकाता (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बुधवार को माना कि पश्चिम बंगाल की वोटर लिस्ट में तकनीकी गड़बड़ी हो गई थी। डिस्प्ले एरर की वजह से वोटर्स का नाम जांच के दायरे में दिखा रहा था। चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि तकनीकी टीम ने करीब 2 घंटे में समस्या ठीक कर दी। आयोग इस गड़बड़ी की जांच कर रहा है। दरअसल एक दिन पहले मंगलवार शाम को बंगाल में जब कई लोगों ने अपना वोटर स्टेटस (इपिक नंबर से) चेक किया, तो उनके नाम के आगे (जांच के दायरे में) दिख रहा था। यह उन लोगों के साथ भी हुआ जिनका नाम पहले से ही फाइनल वोटर लिस्ट में शामिल था। सत्ताधारी पार्टी टीएमसी ने इस पर सवाल उठाए और कहा कि इससे ऐसा लग रहा था जैसे सभी वोटरों पर शक किया जा रहा हो। हालांकि चुनाव आयोग ने सिर्फ इसे टेक्निकल एरर बताया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, वे बंगाल राज्य को ही खत्म करना चाहते हैं। बहुत सारी प्लानिंग हो चुकी है। आपको बिहार में मिला दिया जाएगा।

जबलपुर हेड पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

मेल में ब्लास्ट की चेतावनी, एक घंटे चली तलाशी ; पासपोर्ट कार्यालय भी निशाने पर

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के सिविल लाइन स्थित हेड पोस्ट ऑफिस और पासपोर्ट कार्यालय को बुधवार दोपहर बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला, जिससे हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड की टीम मौके पर पहुंची।

टीम ने करीब एक घंटे तक हेड पोस्ट ऑफिस के विभिन्न विभागों, पार्सल सेक्शन और पासपोर्ट कार्यालय में सघन तलाशी अभियान चलाया, लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और धमकी फर्जी मानी गई।

बम स्क्वॉड प्रभारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आने वाले सभी पार्सलों की जांच मेटल डिटेक्टर से की जाए। जांच पूरी होने के बाद कर्मचारियों और अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

मेल के कुछ देर बाद ही ब्लास्ट की चेतावनी- बुधवार दोपहर करीब 12:10 बजे हेड पोस्ट ऑफिस के अधीक्षक को एक धमकी भरा मेल मिला, जिसमें कुछ ही देर में ब्लास्ट होने की चेतावनी दी गई थी और परिसर खाली करने को कहा गया था। मेल पढ़ते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया और तुरंत स्थानीय पुलिस, कंट्रोल रूम व वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई। कुछ ही देर में बम स्क्वॉड निरीक्षक पंकज सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पोस्ट ऑफिस के साथ आसपास के क्षेत्रों में सघन जांच शुरू की। हालांकि जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पोस्ट ऑफिस अधिकारियों के अनुसार, मेल में मध्य प्रदेश के सभी जोन के पासपोर्ट कार्यालयों को भी बम से उड़ाने की धमकी का जिक्र किया गया था।

मेल में लिखा है

मुसलमान के दुश्मनों.

हम कोयंबटूर के मुसलमान हैं जिन्हें एक कड़वी सच्चाई का पता चला है। उदय निधि के चालक परिवार ने हमें वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया और हमें बचाने के बहाने सजा दी । हमारे जिन नेताओं ने पिछले चुनाव में डीएमके का समर्थन किया था उन सभी को अब इस उदयनिधि ने यूप्पा के तहत गिरफ्तार करवा दिया इसका हमने समर्थन किया था।

जब हमने उनकी पोल खोलने की कोशिश की तो तमिलनाडु के मीडिया घरानों ने हमें रोक दिया, इसलिए हम एआईएडीएमके के पास आए हैं, लेकिन आपने भी हमें निराश किया। सच कहूं तो कोयंबटूर में नक्सलियों और पाकिस्तान सेल की मदद से हमारे पास सिर्फ तीन-चार इमारत को उड़ने लायक ही संसाधन थे, हमने कभी नहीं सोचा था कि हमें इनका इस्तेमाल करना पड़ेगा, क्योंकि हमें विश्वास था कि आपका मीडिया डीएमके सरकार की पोल खोलने में हमारी मदद करेगा। हमें विश्वास था कि कम से कम दूसरे आजाद पत्रकार तो डीएमके के गुलाम नहीं है, लेकिन उन्होंने भी हमें निराश किया फिर हमने तमिलनाडु की अदालत का दरवाजा खटखटाया लेकिन उन्होंने भी हमें निराश किया। इसलिए हमने अपने पास मौजूद बमों का इस्तेमाल करके आज दोपहर 12:10 पर आपका पासपोर्ट पोस्ट ऑफिस पर हमला किया है हम सिर्फ संपत्ति को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, कृपया सभी लोगों को वहां से हटा लें।

नक्सली आईएसआई डीएमके जिंदाबाद

1 घंटे की चेकिंग के बाद कुछ नहीं मिला बम स्क्वायड प्रभारी पंकज सिंह ने कहा कि सूचना मिलते ही बम स्क्वॉट और डॉग्स स्क्वॉट की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद थी, तकरीबन 1 घंटे तक पासपोर्ट और पोस्ट ऑफिस के आसपास की सघन चेकिंग की लेकिन किसी भी तरह का बम होना नहीं पाया गया।

आर्थिक बोझ का हवाला देकर मुआवजा नहीं छीन सकते हैं

● सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया आईना, बोला-यह संवैधानिक अधिकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को 2019 से पहले हुए भूमि अधिग्रहण मामलों में सोलाटियम और ब्याज देने से जुड़े अपने फैसले पर नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की पुनर्विचार याचिका

खारिज कर दी है। इससे किसानों और जमीन मालिकों को राहत मिली है। चीफ जस्टिश सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने कहा कि जमीन अधिग्रहण के मामलों में सही मुआवजा मिलना संवैधानिक अधिकार है। इसे कमजोर नहीं किया जा सकता। इसे सरकार पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ से नहीं जोड़ा जा सकता। पूरा मामला उन भूमि अधिग्रहण मामलों से जुड़ा है जो 2019 से पहले हुए थे, जिसमें प्रभावित लोगों को सोलाटियम और ब्याज देने का सवाल था।

युद्ध के बीच भारत की सैन्य ऑपरेशन की बड़ी तैयारी !

● दो दिन में रक्षामंत्री की ताबड़तोड़ बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक सीमा सड़क संगठन के मसले पर बुलाई गई थी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को लोकसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों और भारत पर उनके संभावित प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए हालात को चिंताजनक करार दिया था। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अभूतपूर्व आर्थिक, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानवीय चुनौतियां पेश करता है। दो दिन में हाई लेवल की दो मीटिंग से पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर की नींद जरूर उड़ी होगी।

एक दिन पहले भी मीटिंग

इससे एक दिन पहले यानी 24 मार्च को रक्षा मंत्री ने मौजूदा ग्लोबल और रीजनल सिक्योरिटी, सुरक्षा हालातों और भारत की रक्षा तैयारियों पर चर्चा करने के लिए एक रिव्यू मीटिंग बुलाई थी। रक्षा मंत्री की इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ जनरल अनिल चौहान, एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, जनरल उपेंद्र द्विवेदी, एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी आदि शामिल रहे।

पश्चिम एशिया के हालात पर सर्वदलीय बैठक खत्म

विपक्ष ने कहा कि वो सरकार के साथ है: रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजराइल जंग के बीच सरकार ने बुधवार को सभी दलों के नेताओं के साथ बैठक की। इस बैठक की अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की। बैठक में मिडिल ईस्ट पर के हालातों और देश में गैस-तेल की उपलब्धता सरकार ने विपक्ष के सवालों के जवाब दिए। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि विपक्ष ने कहा है कि वो सरकार के साथ है। वहीं बैठक से बाहर निकले कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने सर्वदलीय बैठक को असंतोषजनक बताया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की मुख्य मांग है कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर लोकसभा और राज्यसभा में विस्तृत चर्चा कराई जाए।

● 24-अकबर रोड खाली करने के नोटिस पर कहा-यह बौखलाहट है

ईरान युद्ध के बीच बंगला संकट पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस को दिल्ली के लुटियंस जोन वाला 24, अकबर रोड वाला बंगला 28 मार्च तक खाली करना है। यह बंगला करीब पांच दशकों तक कांग्रेस का मुख्यालय रहा है और इसे खाली करने का नोटिस पाकर पार्टी भड़क गई है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि पश्चिम एशिया संकट से जनता का ध्यान भटकाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ऐसा कर रही है।

कांग्रेस के कई सांसदों ने उसके पुराने हेडक्वार्टर खाली करने के सरकारी फरमान को भेदभावपूर्ण भी बताया है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा,सरकार सोचती है कि वह हमपर दबाव डालकर कांग्रेस को चुप करा सकती है। उन्हें हमें धमकाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। क्या उन्होंने 11,अशोक रोड या पंत मार्ग में बीजेपी ऑफिस को खाली करा लिया। इसी तरह से कांग्रेस के एक और सांसद कार्ति चिदंबरम ने भी पार्टी को पुराना मुख्यालय खाली करने के नोटिस मिलने पर कहा है कि अगर वे कांग्रेस पार्टी पर यह सिद्धांत लागू करना चाहते हैं तो उन्हें सभी राजनीतिक पार्टियों पर यह लागू करना चाहिए, एक-तरफा नहीं किया जा सकता।

● कहा-उनके पास परमीशन नहीं ,अब तक भारत के 5 जहाजों ने होर्मुज पार किया

ईरान ने पाक जहाज को होर्मुज पार करने से रोका

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का बुधवार को 26वां दिन था। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने पाकिस्तान के कराची जा रहे एक जहाज को होर्मुज स्ट्रेट पार करने से रोक दिया। आईआरजीसी के नेवी कमांडर अलीरेजा तंगसीरी ने कहा कि सेलेन नाम के इस जहाज के पास होर्मुज पार करने इजाजत नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस रास्ते से गुजरने वाले हर जहाज को पहले ईरानी अधिकारियों से इजाजत लेनी होगी। यह सारा मामला तब हुआ जब पाकिस्तान इस जंग में मध्यस्थता की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तानी

पीएम शहबाज शरीफ ने कल ही ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बात भी की थी। वहीं, जंग की शुरुआत से अब तक भारत के 5 एलपीजी और तेल टैंकर होर्मुज से गुजर चुके हैं।

स्पेन बोला- ईरान जंग 2003 के इराक वॉर से ज्यादा खतरनाक

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज का कहना है कि मिडिल ईस्ट में चल रही जंग 2003 के इराक युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक हैं। संसद में बोलते हुए सांचेज ने कहा कि यह 2003 के इराक वॉर जैसी नहीं है, हम इससे कहीं ज्यादा गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं। सांचेज के मुताबिक, इस बार हालात ज्यादा खराब इसलिए हैं क्योंकि इसका असर सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं है, पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है तेल और ऊर्जा संकट तेजी से बढ़ रहा है।

1 हजार सैनिक तैनात करने की तैयारी में अमरीका

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेना की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के करीब 1,000 सैनिक आने वाले दिनों में मिडिल ईस्ट भेजे जा सकते हैं। 82वीं एयरबोर्न डिवीजन अमेरिकी सेना की खास यूनिट है, जो नॉर्थ कैरोलिना में अपने बेस से सिर्फ 18 घंटे के भीतर दुनिया के किसी भी हिस्से में तैनात हो सकती है। इसे इमीडिएट रिस्पॉन्स फोर्स क्षमता कहा जाता है। इस डिवीजन में करीब 4,000-4,000 सैनिकों की तीन कॉम्बैट टीम, एक एविएशन ब्रिगेड (जिसमें अटैक, ट्रांसपोर्ट और कार्गो हेलीकॉप्टर शामिल हैं), एक आर्टिलरी यूनिट, एक लॉजिस्टिक्स ब्रिगेड और मुख्यालय बटालियन शामिल हैं। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच इराक में एक बार फिर बड़ा हमला हुआ है। इराक के अनबार इलाके में ठिकाने को निशाना बनाया गया।

इजराइल-ईरान युद्ध का असर हिमाचल में खाद का संकट

● यूरिया की भारी किल्लत ,खाली हाथ लौट रहे किसान-बागवान

शिमला (एजेंसी)। इजराइल-ईरान युद्ध का असर अब हिमाचल प्रदेश के खेतों और बागीचों तक पहुंचने लगा है। राज्य के किसान-बागवानों को इन दिनों विभिन्न खाद नहीं मिल पा रही है। इससे सेब बागवानों के साथ-साथ गेहूं, फूलगोभी, मटर जैसी नकदी फसलें उगा रहे किसान परेशान हैं। प्रदेश में यूरिया, 12-32-16 (तीन पोषक तत्व- नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और पोटाश) और एमपीओ (म्यूरेट ऑफ पोटाश) जैसी जरूरी खादों का संकट खड़ा हो गया है। इन खादों के लिए किसान दर-दर भटक रहे हैं और रोजाना सरकारी उपक्रम एवं खाद वितरण करने वाले हिमफेड के गोदामों के चक्कर काट रहे हैं, मगर उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। हिमफेड को केंद्र सरकार से पर्याप्त सप्लाई नहीं मिल रही है, जबकि उसने 3700 मीट्रिक टन यूरिया मांगा था।

ट्रैक्टर से भिड़कर कार के परखच्चे उड़े... तीन दोस्तों की मौत

एक युवक की हालत नाजुक, गाड़ी काटकर निकाले गए, देर रात चाय पीने जा रहे थे

भोपाल (नप्र)। भोपाल में ट्रैक्टर ट्रॉली से आमने-सामने की भिड़ंत में कार सवार तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई। चौथा गंभीर रूप से घायल है। हादसा मंगलवार रात ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र के निपानिया इलाके में हुआ। पुलिस के मुताबिक, गुलाब मेहर चंदेरी गांव के सचिव हैं। उनकी पत्नी रेखा सरपंच हैं। उनका बेटा हर्ष मेहर, भतीजा सतीश मेहर, दोस्त लकी अहिरवार और गब्बर कार में रात 11:30 बजे चाय पीने के लिए गांव से निपानिया के लिए रवाना हुए। कुछ दूर जाने पर कार सामने से आ रही भूसे से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। हादसे में हर्ष, सतीश और लकी की मौत हो गई। गब्बर गंभीर रूप से घायल है।

ट्रैक्टर की एक ही हेडलाइट जल रही थी

टक्कर इतनी भीषण थी कि कार की चेसिस को काटकर शव और घायल को बाहर निकालना पड़ा। शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि ट्रैक्टर की केवल एक हेडलाइट जल रही थी, जिससे सामने आ रहे वाहन का सही अंदाजा नहीं लग सका।

कार चला रहा हर्ष मेहर बी. कॉम का छात्र था- लखन कुशवाह उर्फ लकी (26) सागौनी गांव बैरसिया रोड का रहने वाला था और खेती करता था। हर्ष मेहर (23) ग्राम काछी बरखेड़ा का निवासी और बी. कॉम फाइनल ईयर का छात्र था। वह परिवार का इकलौता बेटा था। उसकी एक बड़ी बहन है। हादसे के समय वही कार चला रहा था। कार भी उसी की थी। सतीश मेहर (26) ग्राम काछी बरखेड़ा का रहने वाला था। वह पिता के साथ खेती करता था। परिवार में दूसरे नंबर का था, उससे बड़ा भाई और छोटी बहन है। योगेश सेन उर्फ गब्बर सेन (27) काछी बरखेड़ा का है। वह गंभीर रूप से घायल है, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। योगेश भी अपने पिता के साथ खेती करता था।

मुरैना में 2 युवकों की ट्रक की टक्कर से मौत

मुरैना जिले के नेशनल हाईवे 44 पर छौंदा नदी पुल के पास बुधवार को तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राजस्थान स्थित करौली माता मंदिर दर्शन करने जा रहे बाइक सवार 2 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

समाज हित को केंद्र में रखें पत्रकार : राज्यपाल

भोपाल। हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष में हमें यह विचार करना होगा कि दो सौ साल पहले हमारे पूर्वजों ने किस तरह पत्रकारिता की जो स्वतंत्रता आंदोलन में आम लोगों के मन में चेतना जगाई। इस अवसर पर हमें भारत की चेतना यात्रा का अवलोकन और भविष्य का पथ भी तय करना होगा। आज फेक न्यूज का दौर है,ऐसे समय में पत्रकारिता के सामने नये तरह की चुनौतियां हैं। समाज हमेशा सच पर ही विश्वास करता है,ऐसे में पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे समाज हित को केंद्र में रखकर ही लिखें।

उक्त उद्गार राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सप्रे संग्रहालय द्वारा आयोजित हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। वे बुधवार को माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में 'हिंदी पत्रकारिता की द्वि-शताब्दी' पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि पत्रकारों का यह दायित्व है कि वे समाज के सामने ऐसा परोसें कि आने वाली पीढ़ी भ्रमित न हो,बल्कि पत्रकारिता पर भरोसा रखे। ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि विगत पांच वर्षों में पांचवीं बार यहां आया हूं, और हर बार यहां आकर आत्मिक संतोष मिलता है। इस अवसर पर राज्यपाल ने तीन वरिष्ठ पत्रकारों को पुरस्कार से सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य देते हुए माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने कहा कि हिंदी के पहले समाचार पत्र 'उदन्त मार्तंड' का मूल मंत्र ही था-'हिंदुस्तानियों के हित का हेत'। लेकिन दो दशक की पत्रकारिता में हम इस मूल मंत्र से भटकते जा रहे हैं। इस दौर में मीडिया सहित अन्य क्षेत्रों में बड़े बदलाव आये हैं, यह बदलाव कई तरह की चुनौतियां भी लेकर आये हैं। श्री तिवारी ने सरकारी

संस्थानों में बढ़ते अवकाश और घटते कार्य दिवसों पर भी चिंता जताई। इन अवकाशों के चलते संस्थानों के कार्य और कर्मचारियों की कार्यक्षमता बहुत अधिक प्रभावित हो रही है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बरकतउल्ला विवि के कुलगुरु डॉ. एसके जैन ने कहा पहले जो लिखा जाता था उसमें दिल की गहराई होती थी। आज चैट जीपीटी और एआई का युग है, ऐसे में मौलिक लेखन प्रभावित हुआ है।

आरंभ में आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि 'हिंदी पत्रकारिता की द्वि-शताब्दी'के अवसर पर सप्रे संग्रहालय के संयोजकत्व में देश भर में अनेक आयोजन किए जा रहे हैं। यह आयोजन भी इसी श्रंखला की एक कड़ी है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में आगामी 30 मई को नईदिल्ली के विज्ञान भवन में एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है। जिसमें प्रधानमंत्री की मौजूदगी में पत्रकारिता पर डाक टिकट तथा स्मृति ग्रंथ का लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है।

कार्यक्रम में सप्रे संग्रहालय द्वारा दिये जाने वाले प्रतिष्ठित पुरस्कार भी प्रदान किये गये। वरिष्ठ संपादक विकास मिश्र (नागपुर)को माधवराव सप्रे सम्मान, अरुण नैथानी (चंडीगढ़) को महेश गुप्ता सृजन सम्मान और ब्रजेश शर्मा (नरसिंहपुर) को आंचलिक पत्रकारिता के राज्य स्तरीय 'अशोक मनोरिया पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। सम्मान के तहत शॉल,श्रीफल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान जिन विभूतियों के नाम पर पुरस्कारों की स्थापना की गई है उनके परिजन भी उपस्थित रहे।

हिंदी पत्रकारिता पर संगोष्ठी

कार्यक्रम के दूसरे चरण में हिंदी पत्रकारिता की दो सौ साल की यात्रा पर संगोष्ठी आयोजित की गई । वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल की अध्यक्षता में आयोजित गोष्ठी में विकास मिश्रा और अरुण नैथनी ने अपने विचार रखे। नागपुर से आये वरिष्ठ पत्रकार विकास मिश्र ने कहा कि आज भाषा की अशुद्धता भी ठीक उसी तरह की चुनौती है जिस तरह आज विश्वसनीयता की है। नई पीढ़ी के पत्रकार इस क्षेत्र में एक ग्लैमर देख कर आ रहे हैं, जिससे स्वस्थ पत्रकारिता हाशिये पर पहुंच रही है। चंडीगढ़ से आये वरिष्ठ पत्रकार अरुण नैथानी ने कहा कि आज सोशल मीडिया ने सारे वातावरण को भ्रमित कर दिया है।ऐसे में इस माध्यम की आचार संहिता तय की जानी चाहिए। उन्होंने विजयदत्त श्रीधर द्वारा 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' पर लिखे तीन खंडों के शोध ग्रंथ को संक्षिप्त स्वरूप में एक साथ प्रकाशित किये जाने का सुझाव भी दिया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल ने कहा कि भारतीय पत्रकारिता के इतिहास पर दृष्टि डालें तो महात्मा गांधी स्वतंत्रता आंदोलन के दौर के सबसे बड़े पत्रकार थे। उस समय के सबसे बड़े पत्र 'प्रताप' में तिलक,गांधी और भगत सिंह ने भी काम किया था। उन्होंने पत्रकारिता के इतिहास के ऐसे कई अनछुए पहलुओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन बातों को पत्रकारिता के पाठ्यक्रमों में शामिल किया जाना चाहिए, जिससे नई पीढ़ी के पत्रकार इतिहास को सही रूप से समझ सकें।

लेडी आरटीओ कॉन्स्टेबल का 'प्राइवेट पार्टनर' जबलपुर-नागपुर हाईवे पर दोनों रिश्वत लेते पकड़ाए

जबलपुर (नप्र)। एमपी में रिश्वतखोरों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसके बावजूद इसमें कमी नहीं आ रही है। लोकायुक्त ने जबलपुर-नागपुर हाईवे पर लेडी आरटीओ कॉन्स्टेबल और एक प्राइवेट व्यक्ति को वाहन मालिक से रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। दोनों के खिलाफ यह शिकायत मुंबई के वाहन मालिक ने की थी। दोनों को पकड़ने के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बरगी के पास लेती थी रिश्वत- दरअसल, जबलपुर-नागपुर हाईवे से दूसरे राज्यों की गाड़ियां भी गुजरती हैं। उन गाड़ियों से आरटीओ कॉन्स्टेबल रिश्वत लेती थी। इसके लिए उसने एक प्राइवेट व्यक्ति को भी रखा था। लोकायुक्त से रुपए मांगने की शिकातय नवी मुंबई निवासी वाहन मालिक प्रशांत दत्तात्रेय जाधव जीवनसागर ने की थी। शिकायत में कहा गया था कि कई गाड़ियां बरगी जबलपुर होते हुए सामान को उत्तर प्रदेश या अन्य राज्यों को लेकर जाती हैं।

4500 रुपए के साथ पकड़ी गई- 25 मार्च 2026 को गाड़ी नागपुर जबलपुर हाईवे से निकल रही थी। इस दौरान आरटीओ कॉन्स्टेबल श्वेता अहिरवार और उसका प्राइवेट व्यक्ति मोहित साहू गाड़ी निकलवाने के नाम पर वाहन मालिक से 4500 रुपए की मांग की। लोकायुक्त ने मामले की जांच में इसे सही पाया है। शिकायत सत्यापन में सही पाया गया। इसके बाद 25 मार्च को ही आरटीओ कॉन्स्टेबल श्वेता अहिरवार और उसके साथी मोहित साहू को वाहन चालक से 4500 रुपए की रिश्वत लेते पकड़ा गया है।

वहीं, आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन)2018 की धारा-7,12,13(1)बी,13(2) के अंतर्गत कार्यवाही की जा रही है। दोनों लगातार वाहनों से वसूली कर रहे थे। पकड़े जाने पर आरटीओ कॉन्स्टेबल ने चेहरे पर मास्क लगा लिया। लोकायुक्त की टीम मामले में आगे की जांच कर रही है।

हनुमानगंज थाने में जब्त वाहनों में आग लगी

दमकल कर्मियों ने आधे घंटे में पाया काबू, 6 वाहन खाक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हनुमानगंज थाना परिसर में खड़े जब्त वाहनों में बुधवार सुबह आग लगने से हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मियों ने आग बुझाने के प्रयास किया और फायर कंट्रोल को सूचित किया। मौके पर पहुंची दो दमकलों ने आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग की चपेट में आने से आधा दर्जन से अधिक वाहन जलकर खाक हो गए। हनुमानगंज थाने के प्रभारी अवधेश सिंह भदोरिया ने बताया कि आग जब्त वाहनों में लगी। जहां वाहन खड़े थे वहीं पास में एक इलेक्ट्रिक पोल है, जिसमें शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी और वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना सुबह करीब 9 बजे की थी।

आप विधायक हरमीत पठानमाजरा गिरफ्तार, रेप केस में छह महीने से चल रहे थे फरार

शिवपुरी (नप्र)। ग्वालियर बायपास से पंजाब की पटियाला पुलिस ने आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत पठानमाजरा को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि आप पार्टी के विधायक रेप केस के एक मामले में पिछले कई दिनों से फरार थे। पंजाब पुलिस ने योजनाबद्ध ढंग से विधायक को गिरफ्तार किया है। इसके बाद पंजाब के लिए लेकर निकल गई है।

गिरफ्तारी के बाद पंजाब ले गई पुलिस

सूत्रों ने बताया है कि आप पार्टी के विधायक दो साल पुराने रेप केस में 6 महीने से फरार चल रहे थे। वे पंजाब की सनौर सीट से पहली बार विधायक बने थे। आरोप है कि भगोड़ा घोषित होने के बाद विधायक ऑस्ट्रेलिया भाग गए थे। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए पांच दिन पहले ही विधायक इंडिया लौटे थे। इसके बाद से लगातार पुलिस की टीम तलाश कर रही थी। इस कार्रवाई के दौरान उनके 3 साथियों को भी हिरासत में लिया गया है और पटियाला पुलिस की टीम आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए सभी को अपने साथ पंजाब ले गई है।

लुक आउट नोटिस भी है जारी

शिवपुरी पुलिस ने बताया कि इस संबंध में शिवपुरी पुलिस को कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी। हरमीत पठानमाजरा पिछले छह महीने से फरार चल रहे थे। उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर भी जारी किया गया था। बताया जाता है कि वह ऑस्ट्रेलिया भाग गए थे और हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए पांच दिन पहले ही भारत लौटे थे। पटियाला पुलिस ने शिवपुरी जिले में सुनियोजित ऑपरेशन के बाद उन्हें पकड़ा। विधायक को उस समय दबोचा गया, जब वह ग्वालियर से शिवपुरी की ओर आने वाले बायपास हाईवे से गुजर रहे थे। गौरतलब है कि शिवपुरी पुलिस को इस मामले में ज्यादा जानकारी नहीं है। एसपी ने कहा है कि हमें जानकारी नहीं दी गई है। पटियाला पुलिस ने कार्रवाई की है।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

छात्रावास में साफ-सफाई का काम करता था, साथी की हालत नाजुक

भोपाल (नप्र)। भोपाल के शाहपुरा इलाके में तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि उसका साढू गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने मौके से कार जप्त की है जबकि चालक की तलाश की जा रही है। हादसा मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात का है। बुधवार दोपहर पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

- **रोहित नगर पुलिया के पास कार ने टक्कर मारी-** वे रोहित नगर की पुलिया के पास पहुंचे थे इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने दोनों को टक्कर मार दी। हादसे में बुरी तरह से घायल होने पर दोनों को अस्पताल ले जाया गया। जहां पर राजेश को मृत घोषित कर दिया गया। टक्कर मारने वाली कार का चालक ही दोनों बाइक सवार युवकों को इलाज के लिए अस्पताल लेकर आया था। अस्पताल में छोड़ने के बाद वह मौके से भाग निकला।

जाटखेड़ी में रहने वाले भाई के घर से लौट रहे थे- पुलिस के अनुसार 45 वर्षीय राजेश कजलीखेड़ा इलाके में रहता था वह मेनिट परिसर के एक छात्रावास में साफ-सफाई का काम करता था। राजेश का भाई जाटखेड़ी इलाके में रहता है। राजेश मंगलवार की रात साढू भाई को लेकर अपने भाई के घर आया था। खाना खाने के बाद वे रात करीब 1:30 बजे वापस अपने घर की ओर रवाना हुए थे।

छतरपुर में कहा- अवैध संबंध का विरोध करने पर पीटा, सास पर भी आरोप

महिला बोली- पति का पड़ोसन से अफेयर, मुझे जहर पिलाया

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर के बगौता गांव में एक महिला को उसके पति और सास ने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ पिला दिया। महिला की हालत गंभीर है और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है। पीड़िता पूनम सेन ने आरोप लगाया है कि उनके पति सोनू सेन के पड़ोस में रहने वाली एक महिला से अवैध संबंध हैं।

इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पूनम ने बताया कि उन्होंने इस संबंध का कई बार लिखित शिकायत के माध्यम से भी विरोध किया था।

पूनम के अनुसार, इसी विवाद को लेकर वर्ष 2024 में एक समझौता भी हुआ था, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी महिला उन्हें ताने मारती थी और प्यार करने वाले कभी डरते नहीं जैसे गाने गाकर चिढ़ाती थी।

हाल ही में जब पूनम ने फिर से इस संबंध का विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया। पूनम का आरोप है कि इसी दौरान पति और सास ने उनके साथ मारपीट की। जब वह घर छोड़कर पुलिस में शिकायत करने जा रही थीं, तो उन्हें रोककर घर में बंद कर दिया गया। पीड़िता ने बताया कि उनके साथ सड़क पर भी सरेआम मारपीट की गई और गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की गई। उनके गले पर अभी भी चोट के निशान मौजूद हैं।

इसके बाद उन्हें जबरन जहरीला पदार्थ पिला दिया गया। पूनम सेन का यह भी कहना है कि उनके पति और दूसरी महिला के बीच इंस्टाग्राम पर चैटिंग और वीडियो कॉलिंग होती थी। उन्होंने दोनों को आपत्तिजनक हालत में भी देखने का दावा किया है। पूनम सेन की शादी को लगभग 10 साल हो चुके हैं और उनके दो बच्चे हैं। उन्होंने पुलिस से पति और सास के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

राज्यसभा में बीजेपी सांसद बोले-सिंहस्थ में 15-16 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, सिक्योरिटी ऑडिट हो

उज्जैन महाकाल मंदिर की सुरक्षा सीआईएसएफ संभाले

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन और भस्म आरती के लिए उमड़ने वाली लाखों की भीड़ और आगामी सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को देखते हुए राज्यसभा सांसद बालयोगी डॉ. उमेशनाथ महाराज ने सदन में सुरक्षा का मुद्दा प्रमुखता से उठाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस तरह श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, वहां अब केंद्रीय स्तर की सुरक्षा और आधुनिक तकनीक की सख्त आवश्यकता है।

धरोहरों का पुनरुद्धार और सुरक्षा की चुनौती

सांसद डॉ. उमेशनाथ महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक धरोहरों को सुरक्षित और पुनर्जीवित करने का जो काम पिछले 100 साल में नहीं हुआ, वह अब हो रहा है। उन्होंने उज्जैन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा उज्जैन में प्रतिदिन लगभग 5 लाख लोग भस्म आरती, शिप्रा तट और सिद्धवट जैसे तीर्थों पर दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भगवान महाकाल की विशेष भस्म आरती में शामिल होने के लिए देश-दुनिया से लाखों लोग आते हैं, जिनकी सुरक्षा सर्वोपरि है।

सिंहस्थ 2028 को लेकर चिंता- उमेशनाथ महाराज ने कहा आगामी कुंभ मेले में करीब 15 से 16 करोड़ लोगों के आने का अनुमान है। जैसे-जैसे हम महापर्व की ओर बढ़ रहे हैं, सुरक्षा की चिंता भी बढ़ रही है।

सीआईएसएफ,एआई और ड्रोन सर्विलांस- महाराज ने सरकार से अनुरोध किया है कि वर्तमान की मिश्रित सुरक्षा व्यवस्था (निजी गार्ड, स्थानीय पुलिस और होमगार्ड) के स्थान पर अब अधिक पेशेवर दृष्टिकोण की जरूरत है। उन्होंने राज्यसभा में सरकार से यह मांगें कीं।

केंद्रीय सुरक्षा (सीआईएसएफ)- मंदिर परिसर की सुरक्षा और प्रोटोकॉल का नियमित ऑडिट सीआईएसएफ जैसी केंद्रीय एजेंसी के माध्यम से कराया जाए।

स्मार्ट तकनीक- पूरे उज्जैन क्षेत्र में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित 'स्मार्ट क्राउड एनालिसिस' और ड्रोन सर्विलांस की व्यवस्था लागू हो।

प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं

भोपाल (नप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए कई अहम पहल कर रहे हैं, उनके नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की।

सीएम को राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नबीन ने जन्म दिवस की शुभकामनाएं दीं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नबीन ने जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं हैं। श्री नबीन ने ईश्वर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के उत्तम स्वास्थ्य और उन्हें दीर्घायु प्रदान करने की कामना की है।

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट का सही फैसला

देश की सर्वोच्च अदालत ने धर्म बदलने पर अनुसूचित जाति का दर्जा खत्म होने का फैसला दोहराकर उचित ही किया है। आप एक साथ दो दो लाभ नहीं ले सकते। कारण साफ है कि जाति व्यवस्था केवल हिंदू धर्म में ही है और हिंदू धर्म छोड़कर दूसरे धर्म को अपनाने का अर्थ ही है कि आप जाति व्यवस्था से बाहर हो चुके हैं। खासकर ईसाई अथवा इस्लाम अपनाने पर अनुसूचित जाति का दर्जा भी स्वयमेव खत्म हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। गौरतलब है कि सर्वोच्च अदालत ने यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथदा की याचिका पर सुनाया। मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया। कुछ दिन बाद गुंटूर जिले के कोथापलेम में रहने वाले अक्कला रामी रेड्डी नाम के शख्स पर चिंथदा ने आरोप लगाया कि अक्कला ने उसे जातिसूचक गालियां दी। चिथंदा ने एसी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया था। मामला हाईकोर्ट पहुंचने पर कोर्ट ने इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद चिंथदा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। केस की जांच के दौरान पता चला था कि ईसाई धर्म अपनाने के कारण चिंथदा का अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया था। चिंथदा एक चर्च में करीब 10 साल से पादरी के तौर पर काम कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट पहले भी कह चुका है कि आरक्षण का लाभ लेने धर्म बदलना, संविधान से धोखा है। 1985 के सूसाई बनाम भारत सरकार से जुड़े एक केस में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाने के बाद दोबारा हिंदू धर्म में लौटता है, तो उसे एससी दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी। केवल लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के साथ धोखा करार दिया।

संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950 के अनुसार केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अनुसूचित जाति समुदायों को एससी का दर्जा प्राप्त है। अगर कोई ईसाई या मुस्लिम धर्म अपना लेता है तो उनका यह दर्जा समाप्त हो जाता है। इसके पूर्व 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सी. सेल्वाराणी मामले में मद्रास हाई कोर्ट ने एक ऐसी महिला को एससी प्रमाणपत्र देने से इनकार कर दिया गया था, जो जन्म से ईसाई थी और नियमित रूप से चर्च जाती थी, लेकिन केवल सरकारी नौकरी में आरक्षण पाने के लिए खुद को हिंदू और वल्लुवन जाति का बता रही थी। ऐसे ही एक अन्य मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट ने भी कहा था कि कहा था कि ईसाइयों को एससी एक्ट के तहत संरक्षण देना गलत है। अदालत का मानना था कि यह कानून विशेष रूप से जाति-आधारित भेदभाव से निपटने के लिए बना है, जबकि ईसाई धर्मशास्त्र में जाति-व्यवस्था जैसी कोई प्रथा ही नहीं है। व्यापक संदर्भ में देखा जाए तो बौद्ध और सिखों को भी अनुसूचित जाति का लाभ देना सही नहीं है। इसका मुख्य कारण यह है कि इन दोनो धर्मों का प्रादुर्भाव भी हिंदू धर्म में जाति व्यवस्था के खिलाफ ही हुआ था।

अधूरे वादों, बंटे भूगोल और संघर्षरत समाज की कहानी

बुंदेलखंड-1

हेमंत पाल

(सुबह सवेरे के स्थानीय संपादक)

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में क्षेत्रीय अस्मिता और विकास की असमानताओं का प्रश्न हमेशा से राजनीतिक और सामाजिक विमर्श के केंद्र में रहा है। बुंदेलखंड राज्य की मांग भी इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में समझी जानी चाहिए। यह मांग केवल एक नए राज्य के गठन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस लंबे ऐतिहासिक अनुभव, उपेक्षा की भावना और विकासात्मक पिछड़ेपन से जुड़ी हुई है, जिसे इस क्षेत्र ने दशकों से झेला है। स्वतंत्रता के बाद से लेकर आज तक यह मुद्दा समय-समय पर उभरता रहा है, लेकिन इसे कभी भी निर्णायक रूप से हल नहीं किया गया।

देश के हृदय में स्थित बुंदेलखंड केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि इतिहास, परंपरा और सांस्कृतिक एकता का जीवंत उदाहरण है। यह वही भूमि है, जहां वीरता की गाथाएं जन्मीं, जहां लोकजीवन में सादगी और संघर्ष दोनों साथ चलते हैं। इसके बावजूद आज यह क्षेत्र विकास की दौड़ में पीछे छूट गया है। इसका एक बड़ा कारण यह माना जाता है कि बुंदेलखंड दो राज्यों उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में विभाजित है। आज जब अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग फिर से तेज हो रही है, तो इसके पीछे केवल वर्तमान की परेशानियां नहीं हैं, बल्कि वह ऐतिहासिक भरोसा भी है जो आजादी के समय इस क्षेत्र को दिया गया था, लेकिन पूरा नहीं हो सका।

आजादी से पहले बुंदेलखंड कई देशी रियासतों में विभाजित जरूर था, लेकिन उसकी आत्मा एक थी। ओरछा, दतिया, पन्ना, छतरपुर, और समथर जैसी रियासतों के अपने-अपने शासक थे। लेकिन, यहां की भाषा, संस्कृति और जीवनशैली में गहरा सामंजस्य था। बुंदेली बोली इस पूरे क्षेत्र को जोड़ती थी और लोकगीतों में यहां की एकता साफ झलकती थी। जब देश स्वतंत्र हुआ और देशी रियासतों का भारतीय संघ में विलय शुरू हुआ, तब इस क्षेत्र के लोगों को यह विश्वास दिलाया गया कि उनकी सांस्कृतिक और भौगोलिक पहचान को बनाए रखा जाएगा। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया का नेतृत्व सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया था। उस समय यह उम्मीद जगाई गई थी, कि बुंदेलखंड को एक इकाई के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि इसकी पहचान और संतुलन बना रहे। लेकिन, स्वतंत्रता के बाद प्रशासनिक निर्णयों और राजनीतिक परिस्थितियों के चलते बुंदेलखंड को दो हिस्सों में बांट दिया गया। इसका एक भाग उत्तर प्रदेश में शामिल हुआ और दूसरा मध्यप्रदेश में। यह विभाजन प्रारंभ में अस्थायी माना गया, लेकिन समय के साथ यह स्थायी रूप ले गया। यही वह बिंदु है, जहां से बुंदेलखंड के विकास की गति धीमी पड़ती चली गई।

दो राज्यों में बंटने के कारण बुंदेलखंड की सबसे बड़ी समस्या समन्वय की कमी बन गई। विकास योजनाएं अलग-अलग स्तर पर बनीं, लेकिन उनका प्रभाव पूरे क्षेत्र पर समान रूप से नहीं पड़ा। एक राज्य में बनाई गई योजना दूसरे हिस्से तक नहीं पहुंच पाती, जिससे संसाधनों का पूरा उपयोग नहीं हो सका। इस क्षेत्र की सबसे गंभीर समस्या जल संकट है। बुंदेलखंड लंबे समय से सूखे की मार झेलता रहा

है। यहां वर्षा कम होती है और जो होती भी है, वह अनियमित होती है। पारंपरिक जल स्रोत जैसे तालाब और कुएं या तो सूख चुके हैं या उपेक्षा के कारण खराब हो चुके हैं। पानी की कमी का सीधा असर खेती पर पड़ता है, जिससे किसान लगातार संकट में रहते हैं। कृषि यहां की जीवनरेखा है, लेकिन जब फसल बार-बार खराब होती है, तो किसान कर्ज के बोझ तले दब जाते हैं। कई बार यह स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि लोग अपने गांव छोड़कर दूसरे शहरों की ओर पलायन करने को मजबूर हो जाते हैं। यह पलायन केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक ढांचे को भी कमजोर करता है।

बुंदेलखंड में रोजगार के अवसरों की कमी एक और बड़ी चुनौती है। उद्योगों का विकास यहां बहुत सीमित है। बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बड़े निवेश नहीं हो पाते। सड़कों, बिजली और अन्य सुविधाओं की स्थिति भी कई स्थानों पर संतोषजनक नहीं है। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति भी चिंताजनक है। गांवों में अच्छे विद्यालयों और चिकित्सालयों का अभाव है। लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों में जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों का नुकसान होता है। महिलाओं और बच्चों की स्थिति विशेष रूप से कठिन है, जहां कुपोषण और जागरूकता की कमी जैसी समस्याएं आम हैं। इन सभी समस्याओं के कारण अलग बुंदेलखंड राज्य की मांग बार-बार उठती रही है। इस मांग के समर्थकों का मानना है कि जब तक यह क्षेत्र एक प्रशासनिक इकाई नहीं बनेगा, तब तक इसका समुचित विकास संभव नहीं है। उनका तर्क है कि अलग राज्य बनने से योजनाएं स्थानीय जरूरतों के अनुसार बनाई जाएंगी और उनका क्रियान्वयन भी बेहतर तरीके से हो सकेगा।

इस आंदोलन को लंबे समय से आवाज देने वालों में फिल्म अभिनेता और निर्माता राजा बुंदेला का नाम प्रमुख है। उन्होंने पिछले तीन दशक से ज्यादा समय से इस मुद्दे को उठाया और जन जागरण के माध्यम से इसे जीवित रखा है। उनका कहना है कि बुंदेलखंड की उपेक्षा का मूल कारण इसका विभाजन है और जब तक इसे एक राज्य का दर्जा नहीं मिलेगा, तब तक यहां की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पाएगा। हालांकि, अलग राज्य की मांग जितनी मजबूत दिखती है, उतनी ही जटिल भी है। दो राज्यों के बीच बंटे क्षेत्र को अलग कर नया राज्य बनाना आसान नहीं है। इसमें राजनीतिक सहमति, संसाधनों का बंटवारा और प्रशासनिक ढांचे का निर्माण जैसी कई चुनौतियां शामिल हैं। यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है कि क्या केवल अलग राज्य बनने से सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

कुछ लोग मानते हैं कि बेहतर नीतियों और मजबूत प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से भी विकास संभव है, भले ही क्षेत्र विभाजित रहे। फिर भी, यह सच है कि बुंदेलखंड का मुद्दा केवल प्रशासनिक पुनर्गठन का नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक वादे का भी है जो आजादी के समय किया गया था। यह उस क्षेत्र की पहचान, सम्मान और अधिकार से जुड़ा हुआ सवाल है, जो वर्षों से उपेक्षा का सामना कर रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि इस मुद्दे को केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से न देखा जाए, बल्कि इसे सामाजिक और मानवीय दृष्टि से भी समझा जाए। चाहे समाधान अलग राज्य के रूप में निकले या विशेष योजनाओं और संसाधनों के माध्यम से, लेकिन बुंदेलखंड को उसके विकास का अधिकार मिलना ही चाहिए। जब तक इस क्षेत्र की समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक बुंदेलखंड की यह पीड़ा और अलग राज्य की मांग यूं ही समय-समय पर उठती रहेगी।

(अगली क़िस्त कल के अंक में)

ईरान बनाम इस्रायल-अमेरिका

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पाक की हांडी में सुलह की खिचड़ी

अपनी सामरिक गणित के फेल हो जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यपूर्व के दिनोंदिन पेचीदा और विकराल होते जाते बखेड़े से पाँव बाहर खींचने के फेर में हैं। दिलचस्प तौर पर इसके लिये उन्होंने अपने पिट्ठू पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष असीम मुनीर को चुना है और फिलहाल इस्लामाबाद में दोनों जंगजू पक्षों के दरम्यां सुलह की बातचीत चल रही है। इस्लामाबाद में चूल्हे पर हांडी चढ़ा दी गई है। बिला शक अमेरिका किसी भी विधि इस तरह पाँव पीछे खींचना चाहता है कि उसकी नाक बची रहे और उसके शर्मनाक और अपमानजनक अभियानों की फेहरिस्त में वियतनाम और अफगानिस्तान के बाद ईरान का नाम न जुड़े। ट्रंप के पांच दिनों के इकतरफा युद्धविराम और ईरानी ठिकाने पर ताजा हमले के लिये इस्रायल को डंपटने के पीछे यही भेद छिपा है।

इस बात में शक नहीं है कि ट्रंप अपने ही खब्त की गिरफ्त में हैं। वह कब क्या कर बैठेगें, वह खुद नहीं जानते। उनके मन में वैश्विक मर्यादाओं और राष्ट्रों की संप्रुभता के प्रति कोई सम्मान नहीं है। निस्संदेह, उनकी मुहिम गैरजरूरी थी और नितांत विफल रही है। 28 फरवरी को छेड़ी गई इस मुहिम के पहले ही दौर में धार्मिक नेता अयातुल्लाह खामेनेई को उनकी मांद में मार गिराने तक सब ठीक था, लेकिन उसके बाद ट्रंप के सारे पांसे और अंदाजे गलत निकले। मोज्तबा खामेनेई पर वार और लारीजानी की हत्या व्हाइट हाउस की 'भूल गलती' सिद्ध हुई। विज्ञान में स्नातक और इमैनुएल कांट के दर्शन पर पीएचडी किये लारीजानी सूझबूझ भरे ऐसे परिपक्व और प्रभावशाली नेता थे, जिनसे बातचीत की जा सकती थी, लेकिन उनकी हत्या के बाद नेतृत्व इस्लामी गार्डों की उस छितरी हुई टोली के हाथ में चला गया, जिसमें कोई ऐसा चेहरा नहीं था, जिसका सैन्य बल और अवाम में रसूख हैं। इस बीच ईरान ने अड़ोस-पड़ोस के अमेरिकी पिट्ठुओं बहरीन, सऊदी, अरब, अरब अमीरात, कतर और ओमान तथा सुदूर दियागोगार्सिया में अड्डों पर प्रहार कर अपनी अचूक मारक क्षमता का बखूबी एहसास करा दिया। दूसरे इस्रायल के आयरन-डोम यानि लौह गुंबद या छतरी का बहुप्रचारित और गालबजाऊ मिथ भ्रांति सिद्ध हुआ। मध्यपूर्व के मुल्कों के निर्लवण-संयंत्र ईरान की सीधी जद में थे और होर्मुज जलडमरूमध्य का तुरूप का पत्ता ईरान की जेब में। तीन हफ्ता से ज्यादा की जंग ने तस्दीक कर दी थी कि ईरान घुटने नहीं टेकेगा और उसे तबाही गवारा है, मगर शिकस्त नहीं। यह भी साफ हो गया कि न तो कोई ईरानी 'गुल्लू' बनने को तैयार है और न ही आर्य मेहर रजाशाह पहलवी के साहेबजादे की तेहरान वापसी में ईरान अवाम की कोई रूचि है। उलटे जियोनवादी आक्रमण ने ईरानी अवाम को मुसीबातें और दमन के बावजूद इस्लामी सत्ता के पक्ष में एकजुट कर दिया। ये ही वे सन्दर्भ हैं, जिनके चलते ट्रंप ने पहले तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगान को टटोला। बात बनी नहीं तो उनकी नज़र पाकिस्तान के सीडीसी मुनीर पर गयी। मुनीर ने एर्देगान से बात की और फिर तार जुड़े काहिरा यानि मिस्र से। सौ करोड़ डॉलर की बोली लगी। हामी के बाद ईरानी मजलिस के स्पीकर गालीबफ पर मध्यस्थों की नजर गयी। इस बीच रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने तईं सक्रिय थे। उन्होंने यूएई, कतर और ईरान से संपर्क साधा। दूरभाष पर मैराथन चर्चा हुई। पुतिन ने स्पष्ट कर दिया कि रूस ईरान को तबाही के रास्ते पर नहीं छोड़ सकता, क्योंकि वह उसका रणनीति साथी और मित्र है। इस बीच रूसी विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोव के इस आशय के बयान ने अमेरिका-इस्रायल की पेशानी पर सलें डाल दीं कि वे ईरान की मिसाइल समेत सामरिक क्षमता को कमतर न आंके। इस बात की तस्दीक हो गई है कि लावरोव ने ईरानी विदेश मंत्री अरागाची से फोन पर लंबी बातचीत की। बहरहाल, घड़ी के कांटे ऐसे घूमे कि आईआरजीसी की रजामंदी से गालीबफ को इस्लामाबाद लाया गया। ताबड़तोड़ दो दौर की बातचीत हुई। मेज के दूसरी ओर ट्रंप के दामाद कुश्नर और विटकोफ बैठे तो गालीबफ भड़क गये। उन्होंने दोनों को दफा करने की दो टूक में संकोच नहीं किया। उन्होंने आगे की वार्ता के लिए वांस का नाम सुझाया। वांस यानि ट्रंप के डिप्टी जेडी वांस। जाहिर हे कि तेल अवीव और वाशिंगटन को वांस का नाम रास नहीं आया, क्योंकि वांस अपेक्षतः नरम हैं।

फिलवक्त काठ की हांडी चूल्हे पर है और अमेरिकी तैयारी भी जारी है। अतिरिक्त मरीन भेजे जा रहे हैं। ईरानी विदेश मंत्री अरागाची को दरकिनार करने के अपने निहितार्थ है। ईरान हर्जाने और अनाक्रमण संधि पर मान सकता है। ट्रंप सांसत में हैं। 13 हजार करोड़ रोजाना फूंक रहे ट्रंप ने 20 लाख करोड़ की कांग्रेस से डिमांड की है। यदि सुलह होती है तो भय में गोंते खा रहे अमेरिका के पिट्ठू मुल्क चैन की सांस लेंगे। ईरान पाक नगीच आये तो बलूचिस्तान का मसला ठंडा होगा। मिस्र शरणार्थियों से बचेगा और तुर्किये अनेक बवाल से बड़ी बात की पाकिस्तान को अपनी पीठ थपथपाने और शेखी बघरने का मौका मिलेगा। गौरतलब है कि ईरान के सुप्रीम लीडर मोज्तबा खामेनेई का इलाज मसक्का में चल रहा है। दिल्ली में ईरान के राजदूत डॉ. हकीम इलाही भारत की जनता के बेइंतहा समर्थन से भावविगलित हैं। दिल्ली में शोक सहानुभूति और एकजुटता के इजहार के लिए ईरानी दूतावास के सामने जिस तरह लंबी कतारे लगीं, उसने भारत और ईरान के प्राचीन रिश्तों पर मोहर लगा दी।

जीवन में पवित्र आचरण लाने का पर्व है रामनवमी

रामनवमी विशेष

श्रीराम माहेश्वरी

लेखक पत्रकार हैं।

भगवान श्रीराम के अवतरण का दिवस है रामनवमी। धर्म की स्थापना और अधर्म का नाश करने हर युग में श्रीहरि अवतरित होते हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम लोकनायक हैं। वे सार्वकालिक और सार्वदेशिक हैं। समूची दुनिया के लिए राम आदर्श हैं। अगस्त्य संहिता में कहा गया है कि चेत्र शुक्ल नौमी के दिन यदि पुनर्वसु नक्षत्र हो और यह समय मध्यान का हो तो महान पुण्यदाई होता है। इसी दिन श्रीहरि का प्राकट्य हुआ। भारतीय संस्कृति में श्रीराम नवमी तिथि का विशेष महत्व है। प्राचीन काल से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नौमी तक भारतवर्ष में श्रद्धालु एक उत्सव के रूप में मनाते हैं। नवरात्रि के 9 दिनों में साधक जप, तप, साधना करते हैं। साधना से उन्हें सिद्धियां सुलभ होती हैं। रामनवमी के दिन विभिन्न राज्यों में घर घर में सुबह से रात तक भजन, कीर्तन ,भंडारा कार्यक्रम चलते रहते हैं । लोग व्रत रखते हैं। भगवान श्रीराम जानकी जी का पूजन करते हैं। जगह जगह रामायण पाठ होता है।

रामनवमी पूजन- घर की पूजा का स्थान पवित्र कर लेना चाहिए। घर के उत्तर में एक सुंदर मण्डप बना ले। पूर्व द्वार पर शंख चक्र तथा श्री हनुमान जी की स्थापना करें। दक्षिण द्वार पर बाण धनुष तथा श्री गरुड़ जी की, पश्चिम द्वार पर गदा खड्ग श्री अंगद जी की तथा उत्तर द्वार पर पदम स्वास्तिक और श्री नील जी की स्थापना करें। मंडप के बीच में चार हाथ की वेदिका होना चाहिए। मंडप को चारों ओर सुंदर तोरण से सजाया जाए। घर द्वार को फूल माला से सजाएं। भगवान के विग्रह पर अक्षत पुष्प से पूजन करें। प्रसाद चढ़ाएं। शुद्ध पात्र में कपूर और घी की बाती का दीपक जलाकर आरती करें। सभी को आरती दें। पंचामृत पंजीरी का प्रसाद वितरित करें। व्रत रखें। पूरे दिन संयम से रहें। भगवान राम के मंत्र का यथासंभव जप करें। ब्राह्मणों और कन्याओं का भोज कराएं। दिन भर भजन कीर्तन करें। सच्चे मन और श्रद्धा से भगवान का पूजन करने से श्रद्धालुओं की सभी मनोकामना पूर्ण होती है। बाधाएं दूर होती हैं। घर में मंगलमय वातावरण होता है। श्री अगस्त्य संहिता में श्री रामचंद्र जी की प्रतिमा या चित्र दान करने का उल्लेख भी मिलता है।

आदर्श रामचरित्र- भगवान श्रीराम के चरित्र उनके गुणों, उनके आदर्शों को जीवन में अनुकरण करने का यह पुण्यदाई समय है। परमात्मा होकर भी भगवान ने साधारण पुरुष की तरह जीवन बिताते हुए अनेक लीलाएं की। उन्होंने इस जगत में आदर्श पुरुष, आदर्श पति, आदर्श पुत्र और आदर्श राजा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। सत्यनिष्ठ और संयम से रहते हुए उन्होंने उत्तम आचरण का पालन किया। राम के मूल्य शाश्वत हैं। सभी देशकाल के लिए उपयोगी और अनुकरणीय हैं। उनका स्मरण करने पर संतों को नई ऊर्जा का अनुभव होता है।

आदर्श आचरण- महायोगी अरविंद कहते हैं कि रामायण अपने ढंग की सर्वाधिक महान और विलक्षण कविता है। वह नैतिक आदर्शवाद और वीरतापूर्ण अर्धदिव्य मानव जीवन का अत्यंत उदात्त और सुंदर महाकाव्य हे। बाल्मीकि ने भगवान श्रीराम के गुणों की अद्भुत व्याख्या की है। इसी तरह हम देखते हैं कि तुलसीदास जी ने रामचरितमानस लिखकर समूचे विश्व में रामकथा को पहुंचाया। दुनिया के कई देशों में रामलीला का मंचन होता है। राम असाधारण वक्ता, अतुलनीय पराक्रमी, अत्यंत रूपवान हैं तथा वे सभी सद्गुणों को भी धारण करते हैं। इस जगत में मनुष्य को कैसा आचरण और व्यवहार करना चाहिए इसे बाल्मीकि ने रामायण में विस्तार से बताया है। राम का आचरण अद्वितीय है। माता पिता, गुरु, आचार्य तथा प्रजा के प्रति उनका व्यवहार आदर्श शगुन साकार रुप में है। परम परमात्मा ने इस जगत को अपने सगुन साकार रूप में यह मार्गदर्शन किया है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में शगुन और निर्गुण दोनों रूपों में ब्रहम का निरूपण किया है।

रामनाम का महत्व - पदमपुराण में कहा गया है कि एक बार श्रीभगवती पार्वती ने भगवान शंकर जी से पूछा, भगवन, राम नाम के महत्व के बारे में कुछ कहिए। तब उन्होंने इस प्रकार श्लोक कहा,

रामरामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्रनाम तत्तुल्यम राम नाम वरानने।।

श्रीहरि जब अवतार लेते हैं तो उन्हें साकार की संज्ञा दी गई है। सगुण और साकार रुप अभिन्न है।

रामकथा - रामायण में राम के प्राकट्य से लेकर रावण वध और अयोध्या लौटकर राज्य अभिषेक के प्रसंग मिलते हैं। राम के पिता और पूर्वज, बचपन,गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र, विवाह , वनवास, भरत प्रेम, जनक जी, पंचवटी, सीता हरण, राम रावण युद्ध, शबरी से भेंट, नवधा भक्ति का उपदेश, राम सुग्रीव मित्रता, हनुमान की भक्ति, रामराज्य सहित अनेक प्रसंग कथा में मिलते हैं। राम के चरित्र और गुणों का स्मरण करने से मनुष्य को सुखद अनुभूति होती है।

साधना की पूर्णता और रामत्व - संतों ने माना है कि इस जगत में ध्यानशक्ति, क्रियाशक्ति और आनंद शक्ति के दारा जो कुछ अंतकरण में रमण कर रहा है, वही राम है। वैदिक साहित्य में भी परमब्रम्ह परमात्मा का बोध कराने वाला तत्व राम ही है। राम की उपासना के प्रकार अलग-अलग हो सकते हैं, परंतु ब्रत्म तत्व एक ही है। इस तरह हम कह सकते हैं कि साधक की साधना की पूर्णता रामत्व में निहित है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. महेन्द्र अग्रवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

वरना चारों खाने चित्त होने की नौबत आ जायेगी

चार शब्द संज्ञा रूप में भले ही भिन्न अर्थ दे किंतु विशेषण रूप में यह एक की तुलना में चार गुना होने का सूचक है शायद इसीलिए लोग एक के चार करने में अपना जीवन गुज़ारते हैं। अब एक के चार क्या ऐसे ही हो जाते हैं? सरकारी ठेके लेने वालों से पूछो, उनकी बात सुनो तो कलेजा मुंह को आ जाता है। जीवन की कचहरी में गवाह को काला कोट पहने काले दिल वाले वकील की परवाह किए बिना चार झूठ सटासट बोलने पड़ते हैं वह भी मुंसिफ़ की ओर मुंह किये बिना।जिसकी नज़र मिल जाती है वह झूठ बोलने लायक नहीं रह जाता। पुरानी कहावत है -बेटा बाप की न सुने तो उस पर चार हाथ उठाने पड़ते हैं, यह बात अलग है कि अब अपना ही पाला-पोसा सपूत बाप-दादा पर चार हाथ उठाने से बाज़ नहीं आता। पहले औरतें भी पति परमेश्वर की चार लातें सहन कर लेती थीं अब ऐसी हैं कि चलते रस्ते किसी भी बात पर,किसी में भी चार चप्पल सरका कर चलती बनें और आप देखते रह जाओ। समानता का युग है सर घर में चार बातें सुन लें तो बिना कुछ कहे मुंह चढ़ाये मायके चली जायें। उसके घर वाले भी मुंह उठाकर चले आयें और चार हाथ जमा कर ही दम लें। चार हाथ पड़ते हैं पर उंगलियां गाल पर चार ही छपती हैं, पांचवी आज तक किसी ने नहीं देखी ।लोग लड़ाई झगड़े में भी चार हाथ आज़माए बिना नहीं मानते।चार का चक्कर बहुत बुरा है।

चार शब्द पुल्लिंग है, किन्तु चार कहते ही चार चोर जैसा गड़बड़झाला शुरू हो जाता है। इस की उदारता से चारपाई जैसे स्त्रीलिंग शब्द की उत्पत्ति होती है। इसका सीधा सा अर्थ है जिसके चार पाए हों और जो बैठने उठने के काम आए किंतु 'चारपाई धरना' या 'चारपाई पकड़ना' हृदय विदारक हो जाता है। जो व्यक्ति चारपाई पर गिर पड़ता है,फिर उसमें उठने की सामर्थ्य नहीं होती। उसकी हालत वही जानता है।आज के हृदयहीन युग में दूसरे लोग तो जानने की इच्छा भी नहीं रखते। चार से चारपाया भी बनता है जिसका अर्थ सभी जानते-समझते हैं। चौपाया इसी का विकृत रूप है। कभी-कभी यह विशिष्टजनों के संबोधन के लिए, अनजाने में या जा बूझकर उनकी उपस्थिति या अनुपस्थिति में प्रयोग कर लिया जाता है। चारपाई पर पड़े रहने वाला आदमी भी चौपाया सा ही होता है। ऐसे अप्रिय जीवन में अपना नया सम्बोधन परिजनों के प्रिय मुख से उसे जीते जी अपने ही कानों से सुनना पड़ता है। चार से चारपाया बना तो उसके लिए चारा भी बना है जो चौपायों के साथ साथ आदमियों के खाने के भी काम आया। अब खाने के मामले में कौन पीछे रहता है। उस पर भी वो आदमी जो तुर्कों, मुग़लों,चंगेज़ों के ज़माने से अपना ज़मीर बेचकर उल्टा-सीधा खाता चला रहा हो। आज भी जिन प्रदेशों में नेताओं को खाने के लाले पड़ गये वहां चारा ही काम आया। जिन प्रदेशों में चारे की व्यवस्था नहीं थी वहां रेत और पत्थर की खदानों ने ज़िंदा रखा। चौपाये जिस तरह हरी-भरी भूमि पर स्वच्छंद विहार करते हुए चरते हैं,वैसा ही सत्ता में पहली बार आने वाले नंगों-भूखों को करना पड़ता है।

अब इसमें चार पांच क्या करना? चार-पांच करने का मतलब है किसी से उलझना। बुजुर्गों ने कहा भी है कि कभी किसी से चार पांच नहीं करना वरना जब शेर को सवा शेर मिलता है तब चारों खाने चित होकर गिर पड़ने की नौबत आ जाती है। यह भी हो सकता है कि चार कंधों पर चलने की हालत हो जाये। अब ऐसी स्थिति में कौन आना चाहता है? वह भी जीवन के अंतिम लक्ष्य चारों धाम की यात्रा किए बिना? चार धाम की यात्रा सभी दायित्वों से मुक्ति पा लेने का पर्याय है ।किसी बड़े काम के होते ही कह देते हैं-चारों धाम कर लिए ।बेटा-बेटी का विवाह हो, मकान बनवाना हो,क़र्ज़ चुकाना हो या आधुनिक युग में बच्चों की उच्च शिक्षा हो या कहीं बच्चों की सेवा नियुक्ति की बात ही क्यों ना हो, तब यह मान लिया जाता है कि चारों धाम कर लिय जो कि चारों दिशाओं में स्थित हैं।इनकी यात्रा से समूचे देश का भ्रमण पर्यटन हो जाता है और विविध स्थानों में बसे सज्जनों की सभ्यता संस्कृति को समझते हुए धार्मिक स्थलों पर लुटने का श्रेष्ठ अवसर मिलने से पुण्य लाभ भी हो जाता है। हमारे फिल्मी गीतकारों ने इन चारों धामों की तीर्थ यात्रा को झूठा कहकर घरवाली पर चारों धाम अधिरोपित कर दिये-सासू तीरथ ससुरा तीरथ तीरथ साला साली है-दुनिया के हर तीरथ झूठे चारों धाम घरवाली है। अब चार के चक्कर में ज्यादा न पड़ें वरना चारों खाने चित्त होने की नौबत आ जायेगी।

रामनवमी पर विशेष

डॉ. मुरलीधर चाँदनीवाला

लेखक साहित्यकार हैं।

श्रीराम ने कभी भी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया

श्रीराम मनुष्य जीवन के आचार्य हैं। वे रघुवंश की उस परम्परा के पोषक हैं, जो त्याग को ही जीवन का मूल्य मानती है। वे सत्य की रक्षा के लिये मितभाषी है। वे मत-मतान्तर से बहुत ऊपर हैं। उनके चित्त में कोई विरोध नहीं है, न परिवार के किसी सदस्य के प्रति, न प्रजा के प्रति, न किसी विचारधारा के प्रति। शायद इसीलिये श्रीराम अपराजेय है। उनसे पराजित होता हुआ शत्रु भी अपनी मृत्युवेला में श्रीराम की वंदना करने लग जाता है। श्रीराम तपस्या का विग्रह है, शान्ति का विग्रह है। वे प्रेम के ऐसे रसायन हैं, जो सबको अपने पास आने का न्योता देते हैं। श्रीराम ने अपना धर्म नहीं चलाया। उन्हें इसकी आवश्यकता ही नहीं पड़ी। श्रीराम स्वयं धर्म है। 'रामो विग्रहवान् धर्मः', यह बात केवल राम के लिये ही कही जाती है। श्रीराम को जान लेने के बाद धर्म अव्यक्त नहीं रहता। इसलिये हमारे संत-महात्मा धर्मशास्त्र पढ़ने की अपेक्षा रामचरितमानस के अध्ययन और अनुशीलन की सलाह देते हैं। हमारे पूर्वज शायद बहुत पढ़े-लिखे नहीं थे, शायद बहुत मंदिरों में नहीं गये हों, लेकिन वे रामचरितमानस में रमे हुए थे।

श्रीराम केवल अयोध्या के नहीं है, केवल भारत के भी नहीं, वे सम्पूर्ण पृथ्वी के हैं। वे राजवंश के होकर भी जन-जन के हैं, सबके प्राणों में बसे हुए हैं। वे भगवान् मान लिये गये हैं, लेकिन वे स्वयं अपनी दृष्टि में मनुष्य हैं। उनके सब अभ्यास मनुष्य होने के लिये हैं। उनका चरित्र हमें यह बताता है कि मनुष्य यदि सचमुच मनुष्य हो, तो वह भगवान् ही है। प्रत्येक मनुष्य में भगवान् होने की विपुल सम्भावनाएँ हैं। वह एकनिष्ठ होकर प्रयास करे, तो भगवान् हुआ जा सकता है। श्रीराम का पावन चरित्र इसी बात का उदाहरण है।

श्रीराम मनुष्य जीवन के आचार्य हैं। वे रघुवंश की उस परम्परा के पोषक हैं, जो त्याग को ही जीवन का मूल्य मानती है। वे सत्य की रक्षा के लिये मितभाषी है। वे मत-मतान्तर से बहुत ऊपर हैं। उनके चित्त में कोई विरोध नहीं है, न परिवार के किसी सदस्य के प्रति, न प्रजा के प्रति, न किसी विचारधारा के प्रति। शायद इसीलिये श्रीराम अपराजेय है। उनसे पराजित होता हुआ शत्रु भी अपनी मृत्युवेला में श्रीराम की वंदना करने लग जाता है। श्रीराम तपस्या का विग्रह है, शान्ति का विग्रह है। वे प्रेम के ऐसे रसायन हैं, जो सबको अपने पास आने का न्योता देते हैं।

श्रीराम ने अपना धर्म नहीं चलाया। उन्हें इसकी आवश्यकता ही नहीं पड़ी। श्रीराम स्वयं धर्म है। 'रामो विग्रहवान् धर्मः', यह बात केवल राम के लिये ही कही जाती है। श्रीराम को जान लेने के बाद धर्म अव्यक्त नहीं रहता। इसलिये हमारे संत-महात्मा धर्मशास्त्र पढ़ने की अपेक्षा रामचरितमानस के अध्ययन और अनुशीलन की सलाह देते हैं। हमारे पूर्वज शायद बहुत पढ़े-लिखे नहीं थे, शायद बहुत मंदिरों में नहीं गये हों, लेकिन वे रामचरितमानस में रमे हुए थे। रामचरितमानस ने ही उन्हें सनातन से जोड़कर रखा। रामचरितमानस ने ही उनके परम्परा-बोध को जगाये रखा। भले ही उन्होंने अपने लिये बहुत सारा धन न कमाया हो, लेकिन वे रामरतन धन को जतन से सहेजकर रखने वाले सच्चे वैभवशाली थे।

श्रीराम में हमारी आस्था अटूट है। श्रीराम सबको तारने वाले हैं। वे रावण को भी तारते हैं, बाली को भी। वे प्राणी मात्र की सम्पूर्ण मुक्ति चाहते हैं। एक वे ही हैं, जो अकेले अपनी नहीं, सब प्राणियों की मुक्ति के लिये पहल करते हैं। वे किसी की हानि होते हुए नहीं देखते, युद्ध में भी नहीं। अपने शत्रु के मान-सम्मान की रक्षा करने वाले श्रीराम सचमुच अनोखे हैं। अपने शुभचिंतकों के प्रति अत्यंत उदार और सहिष्णु श्रीराम अपनी मृदुल मुस्कान से सबका हृदय जीत लेते हैं। कोई भी बात, बहुत छोटी हो या बहुत बड़ी, श्रीराम बहुत सोचते हैं। वे कभी बोलने की जल्दी में नहीं होते, लेकिन उनकी भाव-भंगिमा सब कुछ बोल देती है। अपने सामने खड़े योद्धा को वे भरपूर अवसर देते हैं। वह कितना भी छोटा हो या निन्द्य हो, किन्तु श्रीराम की दृष्टि में वह मनुष्य होने के कारण श्लाघ्य है। वे यथासम्भव उसके लिये अभ्युदय के द्वार खुले रखना चाहते हैं।

श्रीराम के जीवन में उतार-चढ़ाव बहुत हैं, ठीक वैसे ही जैसे एक संघर्षशील और सत्याग्रही के जीवन में होते हैं। श्रीराम जीवन में एक बार भी कठिनाइयों से दूर नहीं भागे। उन्होंने 'सरल' और 'कठिन' में से सदैव कठिन को ही चुना। उनकी कठिनाइयाँ जितनी कठिनतर होती चली जाती, वे उतने ही संयमित और धैर्यवान् होते चले जाते।

उन्हें न कभी अपने ऊपर क्रोध आया, न परिस्थितियों पर। क्रोध उनके स्वभाव में ही नहीं था। शूर्पनखा के प्रसंग पर और रावण को परास्त करते समय भी श्रीराम के तेवर एकदम शान्त दिखाई देते हैं। जैसे कुछ हुआ ही नहीं।

श्रीराम वर्ण व्यवस्था से कोई छेड़-छाड़ नहीं करते। उनकी दृष्टि में चारों वर्ण समान रूप से पूज्य हैं। वे सबके साथ समान व्यवहार करते हैं। वे सबसे प्रेम करना जानते हैं, सबके सुख-दुःख में शामिल होना जानते हैं। श्रीराम के जीवन में जो भी आया है या जिसे श्रीराम का थोड़ा सा भी स्पर्श मिला है, वह श्रीराम की ही तरह उज्ज्वल-चरित और पावन हो गया, भले ही वह जड़ हो या चेतन।

लोग राम नाम का अर्थ 'सत्य' करते हैं। जो सत्य है, वही राम है। इसलिये राम ही भरोसे के हैं। राम नाम के सहारे लोग समुद्र तैर जाते हैं,ऊँची-ऊँची पहाड़ियाँ लांघ जाते हैं। सत्य को अपना दिखावा नहीं करना पड़ता, श्रीराम भी अपना दिखावा नहीं करते। सत्य को किसीसे भय नहीं लगता। श्रीराम को भी किसी का भय नहीं सताता। सत्य कभी किसी से पराजित नहीं होता। श्रीराम भी कभी किसीसे पराजित नहीं होते। सत्य प्रत्येक स्थिति में शिव है, सुन्दर है। श्रीराम भी नित्य शिव है, सुन्दर हैं। श्रीराम के जीवन में हमें जो विरोधाभास दिखाई पड़ते हैं, वे हमारे विद्रोही मन के विरोधाभास हैं, इसलिये संतों ने उन्हें खारिज किया।

श्रीराम ने अपने जीवन में एक बार भी शक्ति प्रदर्शन नहीं किया। शक्ति का प्रयोग तभी किया, जब कोई दूसरा विकल्प शेष नहीं था। विरोधियों के मुँह बंद रखने के लिये वे अपनी ओर से कोई जतन नहीं करते, किसी तर्क में नहीं उलझते। उनका संगठन-कौशल अद्भुत है। वानरों की सेना को अपने एक संकेत पर संगठित करने वाले श्रीराम का पुरुषार्थ विलक्षण है। वे सहायता देना जानते हैं, तो सहायता लेना भी। वे कृतज्ञ होना जानते हैं। एक गिलहरी के प्रति उनकी जो कृतज्ञता है, उसे मापने का कोई पैमाना हमारे पास नहीं।

श्रीराम शैव भी हैं, शाक्त भी हैं। इन्द्र से उनका कोई वैर नहीं, न वे इन्द्र के प्रभाव में हैं। ऋषिकुलों में जाने से पहले उन्हें अपनी राजसी वृत्तियाँ नहीं त्यागनी पड़ती, क्योंकि वे वृत्तियाँ स्वयं श्रीराम के सामने दास्य भाव से खड़ी रहती हैं। श्रीराम हैं हमारे पास, तो हमें कहीं और भटकने की जरूरत ही नहीं। श्रीराम का चरित्र सम्पूर्ण धर्म, सम्पूर्ण नीति और सम्पूर्ण मुक्ति का ऐसा अक्षय कोश है, जो तब तक खाली नहीं होगा, जब तक सूर्य रहेगा, यह पृथ्वी रहेगी।

विचार

श्याम बोहरे

लेखक सामाजिक कार्यकर्ता हैं।

रामचरित मानस में राम राज की कल्पना व हमारा समय

राम आगे कहते हैं कि प्राण से अधिक प्रिय भाई भरत राज्य पायेंगे ,इन बातों को देखकर लगता है कि विधाता आज सभी तरह से मेरे अनुकूल हैं। यदि ऐसे काम के लिए भी मैं वन न जाउं तो मेरी गिनती मूर्खों के समाज में पहले होना चाहिए। यह स्पष्ट है कि राम सत्ता से अधिक जीवन मूल्यों को प्रमुखता देते हैं। अनुज भरत की शंका समाधान करते हुए राम बताते हैं कि दूसरों की भलाई करना करना धर्म है और दूसरों को कष्ट देने से बड़ा पाप कुछ नहीं है

हमारी जानकारी में दुनिया में प्रचलित शासन व्यवस्थाओं का जो भी अकादमिक ब्योरा मौजूद है उसमें राम राज का जिक्र शायद ही हो। दरअसल राम राज भारतीय अवधारणा है। भविष्य में यदि राम राज की व्यवस्था स्थापित हो गई तो राजनीति शास्त्र में यह भारतीय योगदान होगा। आज जो सत्ताधारी दल है वह राम के सहारे सत्ता में आया है। सत्ता में आने से पहले इस दल ने कहा कसम राम की खाते हैं मन्दिर वहीं बनायेंगे। पांच साल बाद वही दल फिर राम मन्दिर में राम की प्राण-प्रतिष्ठा के सहारे जनभावनाओं पर सवार होकर चुनाव जीता। याद कीजिये चुनाव के समय इस दल के समर्थकों ने कहा 'जो राम को लाये हैं हम उन्हीं को लायेंगे' और ले भी आये।

मुझे आस्था का वरदान तो मिला नहीं इसलिए विधिवत 'रामायण जी' का पारायण श्रृद्धापूर्वक करने का पुण्य प्राप्त नहीं हुआ। हां रामचरित मानस को सामाजिक उपादेयता का ग्रंथ समझ कर कभी कभार देखने सुनने का मौका मिलता रहा। हिंदू समाज में जन्मे और रहने के कारण चाहें न चाहें राम चरित मानस से परिचय होता ही रहता है। मानस मर्मज्ञ की वे जाने मैं तो जनकल्याणकारी राज्य के लिए चाहता हूं कि राम राज जरुर आये।

रामचरितमानस में रामराज को विस्तार में समझाया है; भारतीय जनमानस राम कथा से परिचित है इसलिए घटनाओं के विस्तृत ब्योरे या उनके सन्दर्भ नहीं दिए। उसके कुछ अंशों के सार से राम राज को समझा जा सकता है।

राजा दशरथ ने रानी कैकई को दो वरदान दिए थे, कैकई ने वरदान देने की याद दिलाई तो दषरथ जी ने कहा -

रघुकुल रीति सदा चली आई। प्रान जाहुं बरु बचनु न जाई।।

दषरथ पुत्र राम राज्याभिषेक का समाचार सुनकर न तो प्रसन्न होते हैं और न ही वनवास जाने की बात सुनकर दुखी। वे तो पिता की आज्ञा शिरोधार्य कर 14 वर्ष के लिए सहजता से वनवास चले जाते हैं। जिन विमाता कैकई के कारण वनवास जाना पड़ा। उनसे कहते हैं कि जो पुत्र माता पिता की आज्ञा का पालन करता है वह बड़ा भाग्यशाली होता है। माता पिता को संतुष्ट करने वाला पुत्र सारे संसार में दुर्लभ है। यहां राम के कहने का मतलब है कि मां आपको तो प्रसन्न होना चाहिए कि आपका ऐसा पुत्र है।

सुनु जननी सोई सुत बड.भागी। जो पितु मातु बचन अनुरागी।।

तनय मातु पितु तोषनिहारा। दुर्लभ जननि सकल संसारा।।

राम प्रसन्नता से बताते हैं -

मुनिगन मिलनु बिसेषि बन सबहि भांति हित मोर।

तोहि महं पितु आयसु बहुरि संमत जननि तोर।।

राम आगे कहते हैं कि प्राण से अधिक प्रिय भाई भरत राज्य पायेंगे,इन बातों को देखकर लगता है कि विधाता आज सभी तरह से मेरे अनुकूल हैं। यदि ऐसे काम के लिए भी मैं वन न जाउं तो मेरी गिनती मूर्खों के समाज में पहले होना चाहिए। यह स्पष्ट है कि राम सत्ता से अधिक जीवन मूल्यों को प्रमुखता देते हैं।

अनुज भरत की शंका समाधान करते हुए राम बताते हैं कि दूसरों की भलाई करना करना धर्म है और दूसरों को कष्ट देने से बड़ा पाप कुछ नहीं है

पर हित सरिस धर्म नहीं भाई। पर पीड़ा सम नहीं अधिमाई।।

राम राज बैठें त्रैलोका। हरषित भए गए सब सोका।।

बयरु न कर काहू सन कोई। राम प्रताप बिषमता खोई।।

राम के राज में सभी जगह प्रसन्नता होती है ,सभी (जनता) के दुख समाप्त हो जाते हैं कोई किसी से दुष्मनी नहीं करता, विषमता समाप्त हो जाती है। तुलसीदास जी बताते हैं कि समाज और परिवार का आर्दष भी रामराज में है।

राम राज में वनों में वृक्ष सदा फूलते फलते हैं , बैर भूलकर हाथी और सिंह भी साथ रहते हैं, पशु पक्षी सभी स्वाभाविक बैर भुलाकर साथ में रहते हैं।

फूलहि फरहिं सदा तरु कानन। रहहिं एक संग गज पंचानन।।

खग मृग सहज बयरु बिसराई। सबन्हि परस्पर प्रीति बढ.ाई।।

स्वस्थ पर्यावरण के साथ साथ रामराज में संत विषय-वासनाओं में लिप्त नहीं होते, शील और सद्गुणों की खान होते हैं, वे पराये दुख से दुखी और सुख देखकर सुखी होते हैं, उनका कोई शत्रु नहीं, वे घमंड से दूर बैरागी होते हैं, वे सभी प्रकार के लोभ क्रोध, हर्ष और भय का त्याग करके रहते हैं।

दैहिक दैविक भौतिक तापा। राम राज नहिं काहुहि ब्यापा।।

सब नर करहिं परस्पर प्रीती। चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती।।

राम राज में जनता को किसी भी तरह के दुख नहीं होते थे सभी लोग आपस में प्रेम करते थे और अपने धर्म के अनुसार आचरण करते थे। इसी तरह बंधुत्व की बात देश के संविधान की उदेषिका में भी लिखी है।

अल्पमृत्यु नहि कवनिउ पीरा। सब सुन्दर सब निरोग सरीरा।।

नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना। नहिं कोउ अबुध न लच्छन हीना।।

रामराज में रोग नहीं होते थे और न ही अकाल मृत्यु, सभी निरोगी और स्वस्थ रहते थे। राम राज में कोई दरिद्र,दुखी और अज्ञानी भी नहीं था।

बरनाश्रम निज निज धरम निरत बेद पथ लोग।

चलहिं सदा पावहिं सुखहि नहिं भय सोक न रोग।।

समाज के सभी लोग अपने अपने धर्म का पालन करते हुए सुख से जीवन बिता रहे थे। राम राज में किसी को किसी तरह का भय या बीमारी का डर नहीं होता था।

राम राज में ईडी, सीबीआई ,एन आई ए, सी वी सी जैसी जनता को डराने वाली संस्थायें नहीं थीं। राम डर दिखा कर षासन नहीं चलाते थे ,इससे एकदम उलट राम राजा होते हुए भी जनता को कहते थे कि जब भी वे नीति के विरुद्ध कुछ कहें तो बिना किसी डर के उन्हें टोकें। राज्याभिषेक के बाद जनता को संबोधित करते हुए कहते हैं-

जो अनीति कछु भाषों भाई। तो मोहि बरजो भय बिसराई।।

राम राज स्थापित करने की बात करने वालों को यह जान लेना जरुरी है कि 14 वर्षों तक राज करने के बाद राम के अयोध्या आते ही भरत ने खुषी खुषी राज राम को सौंप दिया। आज कोई है जो 14 दिन भी राज करने के बाद खुषी खुषी किसी दूसरे को राज सौंप दे ?

- माता कैकई ने राज्याभिषेक के बदले 14 वर्ष का वनवास दिया फिर भी उनसे आशीर्वाद लेकर सहर्ष वन जाते हैं कोई शिकायत नहीं।

- बड़े बड़े राजाओं के होते हुए ,स्यंवर में विजय पाने के बाद भी राम विनम्रता से पेश आते हैं। विनम्र तो आज के नेता भी होते हैं लेकिन उनकी विनम्रता चुनाव जीतते ही गायब हो जाती है।

- राम प्राणों की तरह प्यारे थे लेकिन राजा दशरथ ने प्राण जाई पर वचन न जाई की रीति निभाते हुए राजधर्म का पालन किया। हमारे यहां भी एक प्रधान मंत्री ने एक मुख्यमंत्री को राजधर्म का पालन करने के लिए कहा था।

- जनता के अटूट प्यार और सम्मान के कारण असुरक्षा का सोच ही नहीं था इसीलिए वी वी आई पी संस्कृति और भारी भरकम सुरक्षा का सवाल ही नहीं था राम राज में। आज की हालत के लिए कुछ भी कहा जाए उससे अधिक जनता जानती है।

एक कहावत है कि जब दांत थे तब चने नहीं थे, आज जब चने लाने की सोच रहे हैं तब दांत नहीं है। मतलब यह कि जब राजनीति में साफ सुथरे नैतिक आचरण वाले, गम्भीर सामाजिक सरोकार और लोक-लाज का ध्यान रखने वाले नेता थे तब तो किसी ने राम राज लाने की बात नहीं की।

एक और बात याद रखें कि काठ की हांडी बारबार नहीं चढ़ती, यहां तो दो दो बार राम ने काम बनाया है। इस सबके बावजूद यदि राम राज को समझ सकें और ला सकने की क्षमता हो तो जरुर लाइये।

श्री राम नवमी पर विशेष

अमित राव पवार

लेखक साहित्यकार हैं।

जब-जब बिखरता समाज, तब-तब याद आते हैं श्रीराम

श्रीराम का वनवास केवल एक पारिवारिक निर्णय का परिणाम नहीं था,बल्कि यह त्याग,धैर्य और मर्यादा का सर्वोच्च उदाहरण है। पिता की आज्ञा का पालन करते हुए उन्होंने 14 वर्षों का वनवास बिना किसी विरोध के स्वीकार किया। यह प्रसंग आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है,जब अधिकारों की मांग तो प्रबल है,किंतु कर्तव्यों के प्रति निष्ठा कम होती जा रही है। श्रीराम हमें यह सिखाते हैं कि जीवन में संतुलन तभी संभव है,जब अधिकार और कर्तव्य दोनों का समान रूप से सम्मान किया जाए। समाज में बढ़ती असमानताओं और विभाजनों के बीच श्रीराम का जीवन समरसता का संदेश देता है। वनवास के दौरान उन्होंने समाज के हर वर्ग को अपनाया और उनके साथ समान व्यवहार किया।

क्या आज का समाज उस आदर्श की ओर अग्रसर है, जिसे हम 'रामराज्य' के नाम से जानते हैं, या हम उससे लगातार दूर होते जा रहे हैं? यह प्रश्न केवल दार्शनिक नहीं,बल्कि हमारे समय की सबसे बड़ी सामाजिक चुनौती भी है। श्री राम नवमी का पावन पर्व हमें इसी आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है। त्रेतायुग में श्रीराम का अवतरण केवल एक धार्मिक घटना नहीं,बल्कि मानवता को दिशा देने वाला एक युगांतरकारी क्षण था। आज,जब समाज अनेक प्रकार के नैतिक और सामाजिक संकटों से जूझ रहा है,तब श्रीराम के आदर्श पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होते हैं।भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में जन्मे श्रीराम ने अयोध्या में राजा दशरथ और माता कौशल्या के यहाँ जन्म लेकर यह सिद्ध किया कि महानता वंश या वैभव से नहीं,बल्कि चरित्र और आचरण से निर्धारित होती है। उनके जीवन का प्रत्येक प्रसंग हमें यह सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व वही है,जो स्वयं के हितों से ऊपर उठकर समाज और कर्तव्य को प्राथमिकता देता है। आज,जब नेतृत्व के अर्थ बदलते हुए दिखाई देते हैं,तब श्रीराम का जीवन एक आदर्श मानक प्रस्तुत करता है।

श्रीराम का वनवास केवल एक पारिवारिक निर्णय का परिणाम नहीं था,बल्कि यह त्याग,धैर्य और मर्यादा का सर्वोच्च उदाहरण है।पिता की आज्ञा का पालन करते हुए उन्होंने 14 वर्षों का वनवास बिना किसी विरोध के स्वीकार किया। यह प्रसंग आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण है,जब अधिकारों की मांग तो प्रबल है,किंतु कर्तव्यों के प्रति निष्ठा कम होती जा रही है। श्रीराम हमें यह सिखाते हैं कि जीवन में संतुलन तभी संभव है,जब अधिकार और कर्तव्य दोनों का समान रूप से सम्मान किया जाए।समाज में बढ़ती असमानताओं और विभाजनों के बीच श्रीराम का जीवन समरसता का संदेश देता है। वनवास के दौरान उन्होंने समाज के हर वर्ग को अपनाया और उनके साथ समान व्यवहार किया।

शबरी के जूठे बेर स्वीकार करना केवल भक्ति का प्रसंग नहीं, बल्कि सामाजिक समानता का गहन संदेश है। यह घटना दर्शाती है कि सच्चा धर्म मनुष्यता में निहित है,न कि सामाजिक भेदभाव में। आज,जब समाज जाति, वर्ग और आर्थिक असमानताओं के कारण विभाजित होता जा रहा है,तब यह संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। 'रामराज्य' की अवधारणा भारतीय समाज में आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक रही है।

कहा जाता है कि श्रीराम के शासनकाल में प्रजा सुखी, सुरक्षित और संतुष्ट थी। न्याय,पारदर्शिता और उत्तरदायित्व उस शासन के मूल स्तंभ थे। आज के लोकतांत्रिक युग में भी 'रामराज्य' एक प्रेरणा के रूप में देखा जा सकता है। यदि शासन व्यवस्था में ईमानदारी,सेवा और जनकल्याण को प्राथमिकता दी जाए,तो आधुनिक समाज भी उस आदर्श के निकट पहुँच सकता है। यह केवल एक कल्पना नहीं,बल्कि एक लक्ष्य है,जिसे सही नीतियों और नैतिकता के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।परिवार,जो समाज की नींव होता है, आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहा है। रिश्तों में स्वार्थ, अहंकार और असहिष्णुता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में माता सीता और श्रीराम का संबंध हमें पारस्परिक सम्मान, विश्वास और त्याग का महत्व समझाता है। वहीं,भरत का उदाहरण यह दर्शाता है कि सच्चे संबंध सत्ता और स्वार्थ से ऊपर होते हैं। भरत ने सिंहासन को अस्वीकार कर अपने भाई के प्रति निष्ठा को सर्वोपरि रखा– यह त्याग आज के समाज में दुर्लभ होता जा रहा है। अहंकार,जो व्यक्ति के पतन का सबसे बड़ा कारण बनता है, आज के समाज में तेजी से बढ़ रहा है। रावण इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। वह अत्यंत विद्वान और शक्तिशाली था, किंतु उसका अहंकार ही उसके विनाश का कारण बना। इसके विपरीत,श्रीराम ने अपने सामर्थ्य और ज्ञान के बावजूद सदैव विनम्रता को अपनाया। यह हमें यह सिखाता है कि सच्ची महानता विनम्रता में ही निहित होती है,न कि अहंकार में।आज का युवा वर्ग जीवन की जटिलताओं और प्रतिस्पर्धा के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। करियर का दबाव,सामाजिक अपेक्षाएँ और व्यक्तिगत संघर्ष उन्हें निरंतर चुनौती देते हैं। ऐसे समय में श्रीराम का जीवन एक मार्गदर्शक के रूप में सामने आता है। उनका धैर्य, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा यह सिखाते हैं कि कठिनाइयों से भागने के बजाय उनका सामना करना ही सच्ची सफलता की पहचान है।

नारी सशक्तिकरण के संदर्भ में भी रामायण की प्रासंगिकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। माता सीता केवल त्याग की प्रतीक नहीं, बल्कि साहस, आत्मसम्मान और धैर्य का भी उदाहरण हैं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आत्मबल को बनाए रखा और यह सिद्ध किया कि नारी केवल सहनशीलता की प्रतिमा नहीं,बल्कि शक्ति का स्वरूप भी है। आज,जब महिलाएँ समाज के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं, तब उनका यह आदर्श और भी प्रेरणादायक हो जाता है। अंततः प्रश्न यह नहीं है कि श्रीराम का जीवन कितना महान था,बल्कि यह है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में कितना अपनाते हैं। राम नवमी का यह पावन अवसर हमें केवल उत्सव मनाने के लिए नहीं, बल्कि आत्मचिंतन के लिए भी प्रेरित करता है। यदि हम अपने व्यवहार में सत्य,अपने निर्णयों में न्याय और अपने संबंधों में प्रेम को स्थान दें,तो एक आदर्श समाज की स्थापना संभव है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम श्रीराम को केवल पूजा तक सीमित न रखें, बल्कि उनके आदर्शों को अपने आचरण में उतारें। क्योंकि जब समाज बिखरता है, तब उसे जोड़ने के लिए केवल आदर्श ही पर्याप्त होते हैं– और उन आदर्शों का सबसे उज्ज्वल उदाहरण हैं श्रीराम।

कविता

आदर्श आचार-संहिता !

रामेश्वरम तिवारी

राम नाम रख लेने भर से
कोई पुरुषोत्तम नहीं हो जाता है।

राम-सा होने के लिए
पिता के वचन पालन करना
सत्ता का परित्याग कर
वन को गमन करना पड़ता है।

बरसों-बरस नंगे पैरों
वनों-पर्वतों में ठोकरें खाना
कष्टमय जीवन जीना
वैदेही के मान के लिए
राक्षसों से लोहा लेना पड़ता है।

माथे पर कलंक लिए
सत्य को समर्पित होने पर भी
अपमान का घूँट पीकर
एकाकी जीवन जीना पड़ता है।

नौटंकीबाज़ों के लिए
राम अभिनय के पात्र होंगे
पर मर्यादा की दृष्टि से
राम का होना जीवन की
एक आदर्श आचार-संहिता है।

पांच आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों को विद्यारंभ प्रारंभिक बाल्यावस्था प्रमाण पत्र वितरित

धार। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जैन के निर्देशन व सुपरवाइजर गेंदा बघेल के मार्गदर्शन में मंगलवार को पांच आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 31,32, 33, 34 एवं 67 मे प्रवेश उत्सव समारोह का आयोजन स्थानीय सरोजिनी मार्ग हरजी फलिया में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला रोगी कल्याण समिति के सदस्य ज्ञानेंद्र त्रिपाठी थे। अध्यक्षता भेरुलाल जोशी ने की। कार्यक्रम में 5 से 6 वर्ष के आंगनबाड़ी में दर्ज बच्चों को शाला पूर्व शिक्षा दी गई उन बच्चों को अब विद्यालय जाने के लिए अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। सभी बच्चों को विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए शुभकामनाएं भी दी गई। इस दौरान विद्या आरंभ करने हेतु आंगनबाड़ी केंद्र से विद्यालय जाने हेतु बच्चों में बच्चों में उत्साह देखा गया। इस अवसर पर बच्चों के साथ उनके अभिभावक भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में जिन बच्चों का जन्मदिन इस माह है उन बच्चों को उपहार भी भेंट किए गए। कार्यक्रम के दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता ठाकुर, खुशबू सोनी, सावित्री शर्मा, शीला गेहलोत, आशा ठाकुर भी मौजूद रही।

50 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ा रेल इंजन

रेल लाओ समिति द्वारा अधिकारियों का किया सम्मान ,सांसद व विधायक का आभार माना

धार। पीथमपुर रेल परियोजना के अंतर्गत आज फाइनल ट्रायल सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर रेल इंजन लगभग 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पटरी पर दौड़ा और पीथमपुर से प्रस्थान कर लगभग एक घंटे में प्रातः 11 बजे धार रेलवे स्टेशन पहुंचा।

ट्रायल के दौरान पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। इनमें मुख्य प्रशासनिक अधिकारी विनीत गुप्ता, चीफ इंजीनियर धीरज कुमार, डिप्टी चीफ इंजीनियर अंकुर सिंह (इंदौर), दिनेश कुमार मीणा (इंदौर) एवं श्री राय साहब (धार) शामिल रहे। अधिकारियों ने संपूर्ण रेल ट्रैक का सूक्ष्म निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

धार रेलवे स्टेशन पर रेल लाओ महासमिति के केंद्रीय अध्यक्ष पवन जैन गंगवाल के नेतृत्व में सभी अधिकारियों का तिरंगा बैज एवं दुपट्टा पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समिति के प्रवीण टाक, शांतिलाल शर्मा, कमल हारोड़, भयूराम, महेश हारोड़, विनीत खत्री, मुन्नालाल राठौड़, अजय बड़जात्या राजेश दिनेश हारोड़अनिल गहलोत सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान धार नगर के नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही जिससे क्षेत्र में रेल सेवा को लेकर उत्साह और प्रसन्नता का वातावरण देखने को मिला। महासमिति द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर , धार विधायक नीना विक्रम वर्मा का आभार माना। जानकारी रेल लाओ महासमिति के मीडिया प्रभारी पारस जैन द्वारा दी गई।

राग्यश्री बामनिया तीसरी बार करेंगी मध्यप्रदेश हॉकी दल का प्रतिनिधित्व

धार। खेलों को बढावा देने के उद्देष्य हेतु भारत सरकार युवा एवं खेल मंत्रालय की महत्वकांक्षी योजना खेला इंडिया यूथ गेम्स के अंतर्गत प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल्स गेम्स जिसका आयोजन 26 मार्च से 1 अप्रैल तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जिला पुलिस लाईन स्थित हॉकी फिडर सेंटर धार की प्रतिभाशाली खिलाड़ी राग्यश्री बामनिया मध्यप्रदेश हॉकी दल का प्रतिनिधित्व करेंगी। राग्यश्री ने प्रतिदिन कठोर अभ्यास कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया। खेला इंडिया ट्राइबल्स गेम्स में देश की 8 श्रेष्ठ क्वालीफाय टीमे भाग लेंगी। मध्यप्रदेश का पहला मुकाबला छत्तीसगढ, दूसरा मुकाबला मिजोरम और तीसरा मुकाबला बिहार से खेला जाएगा। जिसका सीधा प्रसारण डीडी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा। विगत कुछ माह पूर्व धार पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी द्वारा राग्यश्री को उच्च स्तरीय हॉकी खेल सामग्री प्रदान कर अपने खेल प्रदर्शन को ओर श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। राग्यश्री की इस उपलब्धि पर धार विधायक नीना वर्मा, पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी, डीएसपी आनंद तिवारी, रक्षित निरीक्षक पुरूषोत्तम बिसनोई, जिला खेल अधिकारी राजेश शाक्य, जिला हॉकी संघ अध्यक्ष छोटू शास्त्री ने बधाई दी है। राग्यश्री पुलिस लाईन स्थित हॉकी फिडर सेंटर प्रशिक्षक मनीष सोलंकी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है।

संकल्प से समाधान अभियान में सौ लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किए

सोहागपुर। नगर पंचायत परिषद के तत्वावधान में मंगल भवन परिसर में अनुभाग स्तरीय संकल्प से समाधान अभियान नगर पंचायत परिषद एवं जनपद पंचायत के संयुक्त तत्वावधान में हितलाभ वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष जालमसिंह पटेल, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल, अनुविभागीय अधिकारी प्रियंका भल्लावी, जनपद पंचायत परिषद सीईओ प्रबल अरजरिया,नगर पालिका अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा नपा उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी आदि मंचासीन थे।संकल्प से समाधान अभियान के तहत नगरीय क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पीएम आवास योजना,पीएम स्वनिधि योजना, लाडली लक्ष्मी योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, संबल इत्यादि योजनाओं के पात्र करीबन सौ हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र एवं प्रमाण पत्र अतिथियों ने प्रदान किए । उल्लेखनीय है कि युवा दिवस से प्रारंभ होकर यह अभियान दिनांक 31 मार्च 2026 तक आयोजित किया जाना है। जिसमें शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को अभियान में लाभ प्रदान किया जाने का लक्ष्य था।इस अवसर पर पार्षद आशीष मालवीय विश्वकर्मा गणमान्य नागरिक,नगर पंचायत परिषद एवं जनपद पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

14 सरकारी कर्मचारियों पर 4200 रुपये का जुर्माना

सरकारी कार्यालयों में हेलमेट न पहनने पर कार्यवाही

बैतूल। सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देश पर बुधवार को कलेक्ट्रेट और एसपी कार्यालय में हेलमेट जांच का विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान हेलमेट नहीं पहनने वाले 14 शासकीय कर्मचारियों पर चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 4200 रुपये का जुर्माना वसूला गया। कलेक्ट्रेट परिसर में डिप्टी कलेक्टर तृप्ति पटेरिया, कोतवाली थाना प्रभारी देवकरण डहरिया और यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने जांच की। अभियान के दौरान अधिकांश कर्मचारी हेलमेट पहने मिले। हालांकि, नियमों का उल्लंघन करने वाले 8 कर्मचारियों पर प्रति व्यक्ति 300 रुपये के हिसाब से कुल 2400 रुपये का जुर्माना लगाया गया। इसी तरह, एसपी कार्यालय में भी हेलमेट जांच अभियान चलाया गया। यहां एसपी वीरेंद्र जैन और एएसपी कमला जोशी की निगरानी में पुलिस कर्मियों और कार्यालय आने-जाने वाले कर्मचारियों के हेलमेट की जांच हुई। ट्रैफिक अमला और गंज थाना टीआई नीरज पाल भी मौके पर मौजूद रहे। एसपी कार्यालय में 6 कर्मचारियों के चालान बनाकर कुल 1800 रुपये की कार्रवाई की गई। इस प्रकार, दोनों स्थानों पर कुल 14 कर्मचारियों के खिलाफ चालानी कार्रवाई कर जुर्माना वसूला गया।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने पूर्व में ही निर्देश जारी किए थे कि सभी शासकीय कर्मचारी कार्यालय आते समय दोपहिया वाहन चलाते हुए हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। इसका उद्देश्य सडक़ हादसों में कमी लाना है।

संभागायुक्त ने कलेक्ट्रेट में ई-ऑफिस एवं न्यायालयीन प्रकरणों का किया निरीक्षण

बैतूल। संभागायुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय का निरीक्षण कर ई-ऑफिस प्रणाली के संचालन, स्थापना शाखा तथा कलेक्टर एवं अपर कलेक्टर न्यायालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सर्वप्रथम ई-ऑफिस प्रणाली में आवक-जावक प्रक्रिया का निरीक्षण करते हुए संबंधित कर्मचारियों की दक्षता परखी। उन्होंने निर्देश दिए कि संपूर्ण कलेक्ट्रेट की आवक-जावक प्रक्रिया सेंट्रलाइज्ड हो तथा पत्र मार्किंग के लिए कलेक्टर और अपर कलेक्टर ही दो स्तर निर्धारित रहें। उन्होंने ई-ऑफिस प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा कर्मचारियों को आवश्यक प्रशिक्षण देकर उन्हें कुशल बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि कोई भी पत्र लंबित न रहे और संबंधित शाखा प्रभारी समय-समय पर निरीक्षण सुनिश्चित करें। इसके पश्चात संभागायुक्त ने स्थापना शाखा का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों के समयमान वेतनमान, विभागीय जांच, न्यायालयीन प्रकरण, स्वेच्छानुदान, सेवा पुस्तिका एवं हिट-एंड-रन प्रकरणों की समीक्षा की।

बैतूल के दो आनंद क्लब राज्य स्तर पर सम्मानित

स्वच्छता और सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्य पर प्रत्याशा प्रथम, ताप्ती द्वितीय

बैतूल। सेवा पखवाड़ा अभियान में उत्कृष्ट कार्य के लिए बैतूल जिले के दो आनंद क्लबों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया। मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान द्वारा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित इस अभियान का संचालन कलेक्टर नरेंद्र सूर्यवंशी और जिला पंचायत सीईओ अक्षत जैन के मार्गदर्शन में हुआ। अभियान में प्रत्याशा आनंद क्लब बैतूल और ताप्ती आनंद क्लब ग्राम सिमोरी ने स्वच्छता, सामाजिक सेवा और जरूरतमंदों की मदद में कार्य करते हुए क्रमशः प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जिला संपर्क व्यक्ति महेश गुंजेले के अनुसार अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों, स्कूलों और ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाए गए। इसके साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, पोषण सहायता, मैराथन, रक्तदान शिविर और पर्यावरण संरक्षण के तहत वृक्षारोपण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को जीवनशैली बनाना और समाजसेवा की भावना को मजबूत करना रहा। प्रत्याशा आनंद क्लब की संचालक तुलिका पचौरी ने बताया कि क्लब पिछले चार वर्षों से दिव्यांग बच्चों और निशक्तजनों के लिए लगातार कार्य कर रहा है। ताप्ती आनंद क्लब सिमोरी के शैलेन्द्र बिहारिया ने बताया कि उनका क्लब क्षेत्र में स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। राज्य स्तर पर चयन प्रक्रिया जिला समिति द्वारा पूरी की गई, जिसमें क्लबों के आवेदन और ऑनलाइन प्रतिवेदन के आधार पर निर्णय लिया गया। यह सम्मान अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में आयोजित आनंद के आयाम राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी आशीष गुप्ता, निदेशक सत्य प्रकाश, हरिद्वार से स्वामी मधुसूदन महाराज, दिल्ली से स्वामी रामकृष्ण गोस्वामी और हैदराबाद से सुब्रमण्यम शंकर सहित कई अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर बैतूल से डॉ. महेश गुंजेले, दिलीप गीद, रेखा कापसे, तुलीका पचौरी, आशीष पचौरी, शैलेन्द्र बिहारिया, चंचल पांसे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अग्निवीर भर्ती हेतु ऑनलाइन पंजीयन आवेदन 1 अप्रैल तक

सोहागपुर। नर्मदापुरम सांसद कार्यालय में सेना भर्ती कार्यालय भोपाल के मेजर प्रमोदकुमार, सूबेदार मेजर जोगेन्दरसिंह, हवलदार सचिन कुमार आदि ने बताया कि सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल द्वारा अग्निवीर भर्ती योजना के अंतर्गत युवाओं के लिए भारतीय सेना में शामिल होकर देश सेवा करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। इस संबंध में मंगलवार, 24 मार्च 2026 को सांसद कार्यालय नर्मदापुरम में उक्त जानकारी दी गई। सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल के सूबेदार

मेजर जोगेन्दर सिंह ने बताया कि अग्निवीर योजना के तहत ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया 1 अप्रैल 2026 तक जारी रहेगी। इच्छुक युवा भारतीय सेना में भर्ती के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन परीक्षा की संभावित तिथि 1 जून से 15 जून 2026 के मध्य निर्धारित की गई है। आपने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय सेना की चयन प्रक्रिया पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं योग्यता आधारित होती है। भर्ती के किसी भी चरण में रिश्वत या सिफारिश की आवश्यकता नहीं होती। उन्होंने युवाओं को भर्ती एजेंट बनकर ठगी करने वाले असामाजिक तत्वों से सतर्क रहने की सलाह दी। अग्निवीर भर्ती के अंतर्गत सामान्य ड्यूटी, तकनीकी, क्लर्क एवं स्टोर कीपर तथा ट्रेड्समेन के पदों पर भर्ती की जाएगी। ऑनलाइन पंजीकरण के लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। भर्ती संबंधी अधिक जानकारी के लिए सेना भर्ती कार्यालय, भोपाल के दूरभाष नंबर 0755-2539948 अथवा 9039018588 पर संपर्क किया जा सकता है।

अतिक्रमण, आवास,सुरक्षा, सीमांकन राजस्व मामलों से संबंधित 92 आवेदनों पर जन सुनवाई

सोहागपुर। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिला पंचायत सीईओ श्री हिमांशु जैन की अध्यक्षता मे जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर अपर कलेक्टर श्री बृजेंद्र रावत, सिटी मजिस्ट्रेट श्री देवेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबीता राठौर, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती नीता कोरी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती सरोज परिहार समस्त विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जन सुनवाई के अवसर पर सीईओ श्री जैन ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई की गई। जनसुनवाई में आए 92 आवेदनों पर सुनवाई कर उनका निराकरण किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का

शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आए ग्राम कुकड़ी तहसील इटारसी निवासी फौजदार खान ने अपनी कृषि भूमि का दोबारा सीमांकन कर नक्शा सुधार कराने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर श्री जैन ने एसडीएम इटारसी को निर्देशित किया कि शीघ्र संबंधित भूमि का सीमांकन कराते हुए नक्शा सुधार की कार्यवाही सुनिश्चित करें। एक अन्य मामले मे नर्मदापुरम निवासी नंदकिशोर कवडे ने वृद्धावस्था पेंशन का लाभ प्राप्त ना होने के संबंध में आवेदन दिया। श्री जैन ने एसडीएम नर्मदापुरम को सहायता प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। इसी प्रकार सिवनी मालवा निवासी दीपेश दुबे ने पट्टा प्रदान किये जाने के संबंध मे आवेदन दिया जिस पर श्री जैन ने प्रभारी अधिकारी राजस्व को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई में पेंशन, सीमांकन, अतिक्रमण, विधुत, राजस्व सम्बन्धि आवेदनों पर सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया।

पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम

अपहृत बालिका मामले में दस हजार का इनाम घोषित किया

सोहागपुर। सोमवार को सोहागपुर में दिनदहाड़े अपहृत नाबालिग बालिका को करीबन 4 घंटे में दरयाफ्त करने के मामले में पुलिस अधीक्षक श्री साईं कृष्ण एस थोटा ने पुलिस की सराहना करते 10 हजार रुपए प्रदान करने की घोषणा की है। पत्रकारों से चर्चा करते पुलिस अधीक्षक श्री थोटा ने बताया कि पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहृत मामले में गंभीरतापूर्वक कार्यवाही की गई थी ।

इस घटना में रायसेन जिले के बाड़ी पुलिस थाने से भी मदद ली गई थी। जिसमें अपहृत नाबालिग बालिका अपहरण में प्रयुक्त वाहनों की जानकारी ली गई थी। इस मामले में पांच आरोपियों को माखन नगर के पास गिरफ्तार किया गया था। जब आरोपियों ने अपने वाहन बदलकर झांसा देने की कोशिश की गई थी। मामले में आगे विवेचना की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद रायसेन (म0प्र0)

क्रमांक/207 /रा0शा/न0पा0 2026, दिनांक 23/03/26

//निविदा सूचना आमंत्रण//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगर पालिका रायसेन द्वारा अपने स्वामित्व की वार्ड क्रमांक 04 में चौपाटी पर भूतल स्थित नव निर्माणाधीन दुकान क्रमांक 01,02,03,04,05,06,07,08 हेतु निविदा https://mptenders.gov.in पर आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक 25.03.2026 को समय प्रातः 10.30 बजे से दिनांक 27.04.2026 को समय 17.30 बजे तक क्रय कर दरे प्रस्तुत की जा सकती है।

क्र.		वर्ग	दुकान नं..	दुकानों का आकार (लगभग)	अमानत राशि (प्रति दुकान)	न्यूनतम ऑफसेट प्राईज (लाख में)	निविदा प्रपत्र की कीमत (प्रति दुकान)
1	2026_UAD_493381_1	विधवा महिला	01/2026	10'X15'	25000	1200000	2000
2	2026_UAD_493394_1	अनारक्षित	02/2026	10'X15'	25000	1200000	2000
3	2026_UAD_493398_1	अनारक्षित	03/2026	10'X15'	25000	1200000	2000
4	2026_UAD_493399_1	अनारक्षित	04/2026	10'X15'	25000	1200000	2000
5	2026_UAD_493400_1	पिछडा वर्ग	05/2026	10'X15'	25000	1200000	2000
6	2026_UAD_493403_1	अनारक्षित	06/2026	10'X15'	25000	1200000	2000
7	2026_UAD_493404_1	अनुसूचित जाति	07/2026	10'X15'	25000	1200000	2000
8	2026_UAD_493406_1	अनारक्षित	08/2026	10'X15'	25000	1200000	2000

निविदा में कोई परिवर्तन एवं संशोधन https://mptenders.gov.in पोर्टल पर ही किया जावेगा। जो मान्य होगा।

श्रीमति सविता जमना सेन
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद रायसेन

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद रायसेन

नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने प्रभावी कार्यवाही की जाए: कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की सीएम हेल्पलाईन, विभागीय कार्यो तथा योजनाओं की समीक्षा

रायसेन,(निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा सीएम हेल्पलाईन, विभागीय कार्यो और योजनाओं की साप्ताहिक प्रगति, जल गंगा संवर्धन अभियान सहित अन्य कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएम हेल्पलाईन निराकरण में रायसेन जिले के पुनः प्रथम स्थान पर रहने पर अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि जो सीएम हेल्पलाईन शेष रह गई है, उनका भी शीघ्र निराकरण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई भी शिकायत नॉन अटेन्डेन्ट ना रहे। शिकायत प्राप्त होते ही निराकरण की कार्यवाही प्रारंभ की जाए तथा पोर्टल पर जानकारी भी दर्ज कराएं। सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने लोक सेवा गारंटी अधिनियम के आवेदनों की समीक्षा करते हुए सभी एसडीएम और तहसीलदार से कहा कि लंबित 28 प्रकरणों का आज ही त्वरित निराकरण कराएं। उन्होंने उच्च न्यायालय में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए राजस्व अधिकारियों से कहा कि शेष 117 प्रकरणों में प्राथमिकता से जबावदावा दर्ज कराएं। इसके साथ ही सिविल कोर्ट के प्रकरणों में भी समय से जबावदावा दर्ज कराएं। उन्होंने अन्य विभागों के अधिकारियों को भी समय से जबावदावा दर्ज कराने के निर्देश देते हुए कहा कि आगामी टीएल में विभागवार समीक्षा की जाएगी। इसी प्रकार सीएम मॉनिट और जन आंकाक्षा पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का भी गंभीरतापूर्वक निराकरण कराने हेतु निर्देशित किया गया। राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन सहित अन्य राजस्व प्रकरणों का समयावधि में निराकरण कराने के निर्देश दिए। साथ ही राजस्व वसूली कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने जिले में नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने हेतु किसानों को जागरूक करने के लिए कहा। सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया कि बिना स्ट्रॉ मेनेजमेंट के हार्वेस्टर संचालित होने पर संबंधितों पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने जे फार्म एप पर सुपर सीडर, हैप्पी सीडर के पंजीयन में वृद्धि कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एचपीवी वैक्सीनेशन की विकासखण्डवार जानकारी लेते हुए कहा कि यह महत्वपूर्ण कार्य है और किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य से जुड़ा है! लेकिन अभी तक लगभग 23 प्रतिशत वैक्सीनेशन ही हुआ है। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देशित किया कि एचपीवी वैक्सीनेशन कार्य में तेजी लाएं तथा सघन मॉनीटरिंग करें। साथ ही एसडीएम को भी प्रतिदिन की प्रगति की मॉनीटरिंग हेतु निर्देश दिए। इसी प्रकार कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान भावांतर योजना में सरसों का सत्यापन कार्य पूर्ण कराने के निर्देश सभी तहसीलदारों को दिए। उन्होंने अप्रैल माह में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कृषि मेले के आयोजन हेतु चरणबद्ध व्यवस्थाएं किए जाने के निर्देश दिए। जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम, जनपद सीईओ तथा सीएमओ को अभियान के तहत जल संरचनाओं की मरम्मत और जीर्णोद्धार तथा जल स्त्रोतों का संरक्षण के कार्यो को प्राथमिकता से प्रारंभ कराते हुए पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही नागरिकों को भी जल संरक्षण हेतु जागरूक करने के लिए कहा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा करते हुए आवास स्वीकृति की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने तथा समग्र सीडिंग कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। एक बगिया मॉ के नाम परियोजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी जनपद सीईओ को फलोद्यान बगिया का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। साथ ही रोपित किए गए पौधे जीवित रहें यह भी सुनिश्चित कराएं। इसके अलावा अटल पंचायत भवनों और सामुदायिक स्वच्छता परिसरों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए जनपद सीईओ को शीघ्र कार्य पूर्ण कराने हेतु निर्देश दिए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने प्रगतिरत एकल नलजल योजनाओं की जानकारी लेते हुए पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री को योजनाओं का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही पेयजल संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान और त्वरित निराकरण हेतु विकासखण्ड स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि पेयजल संबंधी समस्याओं का शीघ्रता से निराकरण किया जाए। नगरीय प्रशासन विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने एसडीएम और सीएमओ से अवैध कॉलोनाइजर्स के विरूद्ध की जा रही कार्यवाही की जानकारी ली। इसी प्रकार नगरीय निकायों में गीता भवन के निर्माण हेतु भूमि आवंटन, श्रमयोगी मानधन योजना के तहत असंगठित श्रमिकों के पंजीयन और पीएम स्वनिधि योजना के तीनों चरणों की समीक्षा की।

बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग, महिला बाल विकास विभाग, सहकारिता, जिला सहकारी बैंक, लोक निर्माण विभाग, उद्यानिकी विभाग सहित अन्य विभागों की गतिविधियों और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ श्री कमल सोलंकी, अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। विकासखण्डों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की नरवाई प्रबंधन, एलपीजी आपूर्ति एवं गेहूं उपार्जन की समीक्षा

नर्मदापुरम,(निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में नरवाई प्रबंधन, गेहूं उपार्जन कार्य एवं एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने नरवाई प्रबंधन हेतु तैयार कार्ययोजनाओं की अनुविभागवार समीक्षा की। उन्होंने गेहूं कटाई के अनुपात में उत्पन्न होने वाले फसल अवशेषों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि किसानों को नरवाई न जलाने के लिए जागरूक किया जाए तथा आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

उन्होंने एसडीएम नर्मदापुरम को निर्देशित किया कि अनुविभाग स्तर पर सुस्पष्ट कार्ययोजना तैयार करें और क्षेत्र में उपलब्ध गौशालाओं की भूसा भंडारण क्षमता का आकलन कर नरवाई से भूसा बनाने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करें। इसी प्रकार एसडीएम पिपरिया को भी स्पष्ट कार्ययोजना तैयार कर किसानों को जागरूक करने तथा नरवाई प्रबंधन के अधिक से अधिक विकल्प तलाशने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने फसल अवशेष प्रबंधन हेतु आवश्यक कृषि यंत्रों की उपलब्धता का आकलन करने तथा पब्लिक, प्राइवेट एवं शासकीय समन्वय से प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गेहूं उपार्जन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी अनुविभागीय अधिकारी रकबा सत्यापन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें। साथ ही उन्होंने यह निर्देश भी दिए की प्राप्त उपार्जन केंद्र के प्रस्तावों का अनुमोदन करवाते हुए संबंधित समितियों का प्रशिक्षण भी शीघ्र करवाया जाए। जिन उपार्जन केंद्रों के प्रस्ताव को अंतिम रूप नही दिया गया है वे भी शीघ्र प्रस्ताव प्रेषित कर अनुमोदन करवाए।

संक्षिप्त समाचार

नर्मदापुरम सीवरेज परियोजना का निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण कार्य के निर्देश

नर्मदापुरम,(निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी के परियोजना प्रबंधक श्री सुबोध जैन द्वारा नर्मदापुरम सीवरेज परियोजना का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने परियोजना की गुणवत्ता, समय-सीमा एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। इस दौरान उपयंत्री पीआईयू एवं संविदाकार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। गौरतलब है कि नर्मदापुरम में सीवरेज परियोजना का कार्य जर्मन बैंक केएफडब्ल्यू के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। यह परियोजना नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।

मां नर्मदा तट पर मानव श्रृंखला बनाकर लिया जल संरक्षण का संकल्प

नर्मदापुरम,(निप्र)। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत पर्यटन घाट स्थित मां नर्मदा के पावन तट पर जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर जल संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। इस दौरान उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने और उनके संरक्षण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे न केवल मां नर्मदा, बल्कि किसी भी जल स्त्रोत के आसपास गंदगी नहीं करेंगे और न ही किसी अन्य को ऐसा करने देंगे। उन्होंने जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में निरंतर कार्य करने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की। इस अवसर पर MSW एवं BSW के छात्र-छात्राओं के साथ मेंटर्स एवं साथियों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में श्री नीरज चतुर्वेदी, श्री अभिषेक सैनी, श्री विनीत यादव, नवांकुर संस्था से साहिल तिलोटिया, वीणा पाणि संगीत एवं सामाजिक संस्था नर्मदापुरम से आनंद नामदेव सहित अन्य सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों ने मिलकर स्वच्छता का संदेश दिया और जल संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए समाज को जागरूक करने का आह्वान किया।

पेयजल समस्या के निराकरण के लिए ग्राम खामलिया में जल चौपाल आयोजित

सीहोर,(निप्र)। ग्रीष्म काल को दृष्टिगत रखते हुए सीहोर जनपद के ग्राम खामलिया में पेयजल समस्या के निराकरण के लिए जल चौपाल का आयोजन किया गया। जल चौपाल में जनपद सीईओ श्रीमती श्रीमती नमिता बघेल ने ग्रामवासियों से पेयजल समस्या के निराकरण के संबंध में चर्चा की और संबंधित कार्यपालन यंत्री को निराकरण के निर्देश दिए। जल चौपाल में ग्रामवासियों ने गतवर्ष गांव मे ही स्थित राम मंदिर के पास कराये गये बोर एवं सोसायटी के पास स्थित बोर की सफाई कराने की मांग की, जिस पर सहायक यंत्री द्वारा बोर की सफाई कराई गई और जल प्रदाय पुनः बहाल करने का आश्वासन दिया गया।

भैंसदेही के मासोद में निजी कस्टम हायरिंग केंद्र की स्थापना

बैतूल,(निप्र)। भैंसदेही विकासखंड के ग्राम मासोद में सोमवार को कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नरवाई प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही शासन की कृषि यंत्रीकरण योजना के तहत विनोद लिखितकर के यहां निजी कस्टम हायरिंग केंद्र की स्थापना भी की गई। कार्यक्रम में सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद कुमार मीणा, तहसीलदार भैंसदेही श्री बीएस कुमरे एवं नायाब तहसीलदार श्री राजेश दुबे द्वारा स्थल निरीक्षण कर केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस केंद्र के माध्यम से किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र जैसे ट्रैक्टर, प्लाउ, रोटावेटर, ब्रॉड बेड फेरो प्लेंटर, थ्रेशर एवं कल्टीवेटर उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना के अंतर्गत हितग्राही को 40 प्रतिशत अनुदान अधिकतम 10 लाख रुपये प्रदान किया जाता है। सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद कुमार मीणा ने बताया कि इच्छुक किसान कृषि अभियांत्रिकी विभाग की वेबसाइट पर आवेदन कर इस योजना का लाभ ले सकते हैं। इससे किसानों को कम लागत पर कृषि यंत्र उपलब्ध होंगे और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

गन्ना फसल का गिरदावरी सत्यापन कार्य किया

कार्यक्रम के दौरान दौड़ी, मासोद, काटोल, देवलवाड़ा एवं रामबाही सहित आसपास के गांवों में गन्ना फसल का गिरदावरी सत्यापन कार्य भी किया गया। वहीं आयोजित नरवाई प्रबंधन कार्यशाला में किसानों को फसल अवशेष नरवाई नहीं जलाने की शपथ दिलाई गई और इसके दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान किसानों को बताया कि नरवाई जलाते पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक श्री बडौदे, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी एसएल टेकाम, कृषि विस्तार अधिकारी श्री पोहरे, तकनीकी शाखा प्रभारी श्री इन्द्रभान सिंह, तकनीकी सहायक श्री तुषार राठौर एवं श्री प्रवीण विश्वकर्मा सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी, बड़ी संख्या में किसान सहदेव लिखितकर, मनोज उड़ोकले, जगदीश मायवाद, बलदेव उड़ोकले, कृष्णा नवांगे, राजू नवांगे, दीपक पटेल, निलेश पाटणकर, मल्लू बारस्कर एवं शिवलाल बारस्कर उपस्थित रहे।

नवांकुर संस्थाओं का सक्रियकरण बैठक सह प्रशिक्षण के तहत सामाजिक संस्थाओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

हरदा,(निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद हरदा द्वारा नवांकुर योजना के तहत सामाजिक संस्थाओं के सक्रियकरण और क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर कृषि विज्ञान केंद्र, कोलीपुरा हरदा में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य संस्थाओं को आत्मनिर्भर बनाना और नर्सरी प्रबंधन के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। प्रशिक्षण में कृषि विज्ञान केंद्र हरदा की प्रभारी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. संध्या मुरे ने संस्थाओं को विभिन्न वैज्ञानिक बीजारोपण विधियों और नर्सरी तैयार करने की आधुनिक तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मृदा वैज्ञानिक डॉ. आर.के. जाटव ने मिट्टी की उपजाऊ शक्ति बढ़ाने की विधियों, वर्मी कंपोस्ट निर्माण और जैविक कृषि के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने संस्थाओं को टिकाऊ आजीविका मॉडलों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण में जिला समन्वयक श्री संदीप गौहर ने परिषद की गतिविधियों और नवांकुर संस्थाओं के सक्रियकरण हेतु आगामी कार्य योजना साझा की। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थाओं की सक्रियता के आधार पर उन्हें शासन द्वारा प्रतिवर्ष नवांकुर योजना चयनित संस्थाओं राशि देने का भी प्रावधान है। इस अवसर विकासखंड समन्वयक श्री राकेश वर्मा, श्री अनुपम भारद्वाज, सुश्री विनीता शाह, 15 नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए स्थानीय संस्थाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

01 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले गेहूं उपार्जन व सरसों खरीदी की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित

सीहोर,(निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने बैठक आयोजित कर 01 अप्रैल से प्रारंभ होने वाले गेहूं उपार्जन एवं भावांतर भुगतान योजना के तहत सरसों की खरीदी को लेकर की जा रही तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना शासन की प्राथमिकता है, इसलिए खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, सुचारू और समयबद्ध तरीके से संचालित की जाए।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी निर्धारित खरीदी केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर तौल कांटे, बारदाना, परिवहन व्यवस्था, पेयजल, छाया एवं बैठने की व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गेहूं और सरसों की खरीदी केवल निर्धारित मानकों के अनुसार ही की जाए। उन्होंने गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था को मजबूत करने और मानक के अनुरूप उपज की ही खरीदी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि खरीदी केंद्रों पर नियमित निगरानी रखी जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने भावांतर भुगतान योजना सरसों के अंतर्गत पंजीकृत किसानों की सूची का सत्यापन करने तथा यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी अपात्र व्यक्ति योजना का लाभ न ले सके। कलेक्टर ने कहा कि किसानों के पंजीयन, तौल एवं भुगतान की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी जाए और सभी कार्य ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से समय पर संपन्न हों। कलेक्टर ने परिवहन एवं भंडारण व्यवस्था की

समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपज के सुरक्षित भंडारण एवं समय पर उठाव की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि खरीदी के दौरान मंडियों एवं उपार्जन केंद्रों पर भीड़-भाड़ की स्थिति न बने, इसके लिए आवश्यक प्रबंधन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि खरीदी कार्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही किसी भी समस्या की स्थिति में त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने यह भी निर्देश दिए कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान किसानों को शासन द्वारा निर्धारित सभी नियमों एवं प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाए। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठा सकें। कलेक्टर ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि खरीदी प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारी के साथ कार्य करें, ताकि किसानों को समय पर भुगतान मिल सके और किसानों का योजना का लाभ प्रभावी रूप से उन तक पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने आगामी सीजन के जिले में पर्याप्त खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने और उपार्जन कार्य के लिए स्वयं सहायता समूह की दीदियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में कृषि उप संचालक श्री अशोक उपाध्याय, जिला आपूर्ति अधिकारी श्रीमती रेशमा भामोर, सहकारिता उप पंजीयक श्री सुधीर कैथवास, वेयर हाउस शाखा प्रबंधक श्री एमएल सूर्यवंशी, जिला विपणन अधिकारी श्री नीरज भार्गव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जल संरचनाओं के निर्माण और संरक्षण संबंधी गतिविधियों में गति लाएं : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी

नरवाई जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाएं

बैतूल,(निप्र)। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समयसीमा की बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान की जनपद और निकायवार समीक्षा कर कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने सभी जनपद सीईओ और सीएमओ को निर्देशित किया कि नवीन जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन, पूर्व से मौजूद जल संग्रहण संरचनाओं की साफ-सफाई व मरम्मत, नवीनीकरण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल स्त्रोतों में प्रदूषण के स्तर को कम करने, जल स्त्रोतों तथा जल वितरण प्रणालियों की साफ-सफाई इत्यादि कार्यों को गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण किया जाएं। रैन वाटर हार्वेस्टिंग के निर्धारित लक्ष्यों को भी सभी जनपद सीईओ और सीएमओ पूर्ण कराएं। इन कार्यों को पोर्टल पर भी अपलोड किया जाएं। नवीन भवनों में रैन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य रूप से की जाएं। सभी एसडीएम भी अपने क्षेत्र में जल गंगा संवर्धन अभियान में आवश्यक समन्वय और मॉनिटरिंग से कार्यों को गति लाएं। धान मिलिंग की भी समीक्षा कर कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। चना मसूर का सत्यापन भी शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश एसडीओ फॉरेस्ट तथा गन्ने का डिजिटल क्रॉप सत्यापन भी पूर्ण करने के निर्देश सभी एसडीएम को दिए। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता, जन समितियों के भी परस्पर समन्वय से जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने सभी जिला और विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विभागीय दायित्वों को पूरी गंभीरता और तत्परता से निर्वहन करें। जनशिकायतों के निराकरण में कोताही न बरते, पूरी गंभीरता से शिकायतों का निराकरण किया जाएं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से भी निरंतर संपर्क में रहें, जनहित के विषयों पर प्राथमिकता से उचित कार्यवाही की जाएं। सख्त निर्देशित किया कि प्रातः 10 बजे से लेट आने वाले तथा शाम 6 बजे से पहले जाने पर शासकीय अधिकारी, कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के अनावश्यक अवकाश पर प्रतिबंध रहेगा। बिना सक्षम अनुमति के अवकाश पर रहने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। नल जल योजनाओं के शेष कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए। सड़क सुरक्षा के प्रकरणों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि घरेलू गैस का डिस्ट्रीब्यूशन सुचारू और पारदर्शिता के साथ किया जाएं। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने नरवाई जलाने की घटनाओं की समीक्षा कर निर्देश दिए कि नरवाई जलाने पर प्रभावी अंकुश लगाएं। सभी एसडीएम अपने क्षेत्र में सतत निगरानी करें। लापरवाही पर एसीटीओ और पटवारी के विरुद्ध कार्यवाही की जाएं। नरवाई जलाने के प्रति जनजागरूकता के साथ दंडात्मक कार्यवाही भी कराएं। उन्होंने आगामी मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के कार्यक्रमों की भी समीक्षा कर समुचित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश सभी जनपद सीईओ और सीएमओ को दिए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण रूप से समय पर पूर्ण कराने के निर्देश सभी निर्माण विभागों को दिए। भू अर्जन के प्रकरणों की भी कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने तहसीलवार समीक्षा कर प्रकरणों के निराकरण के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को भी जिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं में शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की जाएं। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक पर भी सख्त से प्रतिबंध लगाने के निर्देश।

परीक्षाओं के मूल्याकंन, आंगनवाड़ियों के संचालन, जनगणना, जेईई नीट की निशुल्क कोचिंग क्लास की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने ई विकास पोर्टल की समीक्षा कर कृषि, सहकारिता और मार्कफेड को कृषि संबंधी समस्त गतिविधियों का शत प्रतिशत ई विकास पोर्टल के माध्यम से करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खाद की

मप्र में किल्लत की अफवाह, पेट्रोल पंपों पर भीड़

रतलाम में 5 दिन का स्टॉक एक दिन में खत्म, रीवा में पुलिस बुलानी पड़ी, भोपाल में भी दिखी ऐसी हलचल

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश के कई जिलों में पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाह ने अचानक हालात बिगाड़ दिए हैं। सोशल मीडिया पर फैली भ्रामक खबरों के कारण लोगों में घबराहट फैल गई और पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कई जगहों पर लंबी कतारें लग गईं और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। रीवा में तो पंपों पर पुलिस बुलानी पड़ी।

हालांकि, प्रशासन और पेट्रोल पंप संचालकों का साफ कहना है कि कहीं भी ईंधन की कमी नहीं है। पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सप्लाई भी लगातार जारी है। इसके बावजूद लोग टैंक फुल करवा रहे हैं, जिससे कुछ जगहों पर अव्यवस्था की स्थिति बन गई।

- **शाजापुर-** बुधवार सुबह पेट्रोल-डीजल की किल्लत के कारण कई पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गईं। राधा चौराहे, बस स्टैंड और बेरछा रोड स्थित एचपी पंपों पर एडवांस भुगतान न होने से सप्लाई बंद है जबकि टंकी चौराहे का भारत पंप भी खाली हो गया है। फिलहाल, रिलायंस पंप पर सीमित मात्रा में ईंधन मिल रहा है।
- **खरगोन-** महेश्वर-बड़वाह रोड स्थित पेट्रोल पंप पर बुधवार सुबह करीब 400 वाहनों की कतार लग गई। भीड़ के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ। पंप संचालक ने बताया कि पर्याप्त स्टॉक है और सभी को जरूरत के अनुसार ईंधन दिया जा रहा है। कर्मचारियों ने स्थिति संभालकर व्यवस्था बनाई।
- **रतलाम-** रतलाम में कुछ पेट्रोल पंप बंद हैं जबकि खुले पंपों पर भीड़ लगी हुई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए टू-व्हीलर में 200 रुपए और चार पहिया वाहनों में 1000 रुपए तक ही पेट्रोल-डीजल दिया जा रहा है। पंप संचालकों के अनुसार स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं।
- **सेंधवा-** सेंधवा में भी अफवाहों के बीच पेट्रोल पंपों पर सुबह से भीड़ बढ़ गई। पंप संचालकों और प्रशासन ने स्पष्ट किया कि ईंधन की कोई कमी नहीं है। लोगों से अनावश्यक भीड़ न करने की अपील की गई है।
- **आगर मालवा-** पिपलोन कला के कुबड़िया खेड़ी पेट्रोल पंप पर सुबह से वाहनों की कतार लगी रही। पर्याप्त स्टॉक की जानकारी के बावजूद लोग टैंक फुल करवा रहे हैं। वहीं, कानड़ में मंगलवार रात भीड़ के बीच पहले पेट्रोल भरवाने को लेकर विवाद हो गया, जो मारपीट तक पहुंच गया। बाद में लोगों ने स्थिति को शांत कराया।
- **इटारसी-** रेलवे स्टेशन के सामने स्थित पेट्रोल पंप पर भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। भीड़ के कारण यातायात प्रभावित हुआ, हालांकि कर्मचारियों ने स्थिति संभाली। लेकिन दिनभर भीड़ बनी रही।
- **कुक्षी-** बाग क्षेत्र के चार में से तीन पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म हो गया। नायरा पंप पर प्रति बाइक सिर्फ 100 रुपए का पेट्रोल दिया जा रहा है।

बालाघाट में गैस एजेंसियों पर भी भारी भीड़ दिख रही

बालाघाट में पेट्रोल पंपों के साथ गैस एजेंसियों पर भी भारी भीड़ देखने को मिली। एजेंसी संचालक के अनुसार स्टॉक पर्याप्त है, लेकिन अफवाहों के कारण सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। भीड़ बढ़ने पर स्थिति संभालने के लिए पुलिस की मदद लेनी पड़ी।

इंडेन कंपनी का मैसेज- 31 से 32 दिन बाद दूसरा सिलेंडर- दो सिलेंडर कनेक्शन वालों को इंडेन की डिलीवरी की दूसरी तारीख 30 दिन बाद की दी जा रही है। इसके मैसेज भेजे जा रहे हैं। 26 दिन बाद बुकिंग फिर करीब 5-6 दिन की वेटिंग के बाद सिलेंडर की डिलीवरी हो रही है। यानी 31 से 32 दिन बाद दूसरा सिलेंडर मिलेगा।

अधिकारी बोले-

भोपाल में 3 महीने के लिए पर्याप्त स्टॉक

भोपाल में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। इसके बावजूद एयरपोर्ट रोड के एक पंप पर 200 रुपए तक पेट्रोल देने का मामला सामने आया, जिसकी शिकायत भी की गई है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने लोगों से जरूरत के अनुसार ही ईंधन लेने की अपील की है। भोपाल के फूड कंट्रोलर चंद्रभान सिंह जादौन के अनुसार, शहर में 58.79 लाख किलोलीटर पेट्रोल-डीजल का स्टॉक है, जो ढाई से तीन महीने तक के लिए पर्याप्त है। मध्य प्रदेश पेट्रोल पंप ओनर एसोसिएशन के अनुसार, करीब 5 प्रतिशत पंपों पर एडवांस राशि की समस्या के कारण अस्थायी कमी है। कुल मिलाकर ईंधन की कमी नहीं है।

किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें: भोपाल कलेक्टर- भोपाल के भौंरी स्थित इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के डिपो से शहर के 192 पंपों को रोजाना 12 लाख लीटर डीजल और 9 लाख लीटर पेट्रोल की सप्लाई की जा रही है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने अपील की है कि किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें।

इंदौर में सुपर पावर 100 पेट्रोल 149 रुपए प्रति लीटर- इंदौर के भंवरकुआं में लोहामंडी के उषाराजे पंप पर हितेश देशमुख अपनी बाइक में पेट्रोल भरवाने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि 2 लीटर पेट्रोल 300 रुपए का दिया गया। इस बारे में पूछने पर पंप कर्मचारियों ने कहा कि यह ब्रांडेड सुपर पावर 100 पेट्रोल है।

ग्वालियर में केमिकल गोदाम में आग

● लोगों ने दूसरी छतों पर कूदकर बचाई जान, तीन दमकलों ने पाया काबू

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के खुर्दे वाला मोहल्ला स्थित राजश्री अपार्टमेंट में बुधवार सुबह 11 बजे आग लग गई। अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर में स्थित केमिकल गोदाम से आग शुरू हुई और पहली मंजिल तक पहुंच गई। आग बढ़ती देख अपार्टमेंट के रहवासी घबरा गए और छत की ओर दौड़ लगा दी। उन्होंने दूसरी छतों पर कूदकर जान बचाई।

पुलिस मौके पर पहुंची और अपार्टमेंट में रह रहे परिवारों को बाहर निकला। 3 फायर ब्रिगेड पानी और एक गाड़ी केमिकल फॉर्म की मदद से करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। आखिर में धुएं पर फॉम डाला गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर गोदाम है, जिसमें स्याही और सर्जिकल सामान रखा है। बताया जा रहा है कि सर्जिकल सामान से आग भड़की। आसपास के लोगों ने जैसे ही आग देखी, तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। कुछ ही देर में दमकल मौके पर पहुंच गई। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने जल्दी से अपार्टमेंट खाली कराया और घरों में रखे गैस सिलेंडर बाहर निकाले। वहीं गोदाम से स्याही के ड्रम भी बाहर निकाले गए। एसएसपी ग्वालियर धर्मवीर सिंह खुद लोगों को बाहर निकालते नजर आए।

संकरा रास्ता-दमकलों को पहुंचने में हुई कठिनाई- अपार्टमेंट तक पहुंचने का रास्ता संकरा होने के कारण दमकलों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि दमकल समय से पहुंच गई और पानी डालना शुरू किया। गोदाम के मालिक का पता लगाया जा रहा है।

शॉट सर्किट से आग लगने की आशंका

आग लगने के सही कारणों का अब तक पता नहीं चला है पर आशंका जताई जा रही है कि शॉट सर्किट से आग लगी है। आग लगते ही स्थानीय लोगों ने पानी डालकर बुझाने का प्रयास किया, पर आग भड़क गई।

अपार्टमेंट में फंस गए थे रहवासी- बिल्डिंग में लगभग 20 परिवार रहते हैं। रहवासी लक्ष्मी राठौर ने बताया कि हम लोग पूरी तरह से फंस गए थे। न तो नीचे उतर पा रहे थे और ऊपर भी टॉवर लगा है। बच्चों को एक-एक करके निकला है। बहुत मुश्किल से जान बचाई है। कई बार केमिकल के गोदाम हटाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन कोई नहीं सुनता। रेशमा ने बताया कि कुछ समझ नहीं आ रहा था कि कैसे बचेंगे। बड़ी मुश्किल से बाहर निकले हैं। ये शिल्पा मेडिकल वालों का गोदाम है।

लापरवाही मिली तो कार्रवाई करेंगे

ग्वालियर कलेक्टर रुचिका चौहान ने कहा कि आगजनी की घटना में केमिकल गोदाम वालों की ओर से लापरवाही सामने आई, तो कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अपार्टमेंट में रहने वाले सभी परिवार सुरक्षित हैं। समय रहते उन्हें बाहर निकाल लिया था। उन्होंने बताया कि आज हम शहर के प्रबुद्धजनों की एक बैठक कर रहे हैं, जिसमें आगजनी की घटनाओं में जनहानि रोकने और कम से कम नुकसान होने के लिए संभावित प्रयासों पर चर्चा की जाएगी।

राहत कार्य जारी है

सीएसपी मनीष यादव ने बताया कि गोदाम में स्याही के ड्रम रखे थे, जिन्हें बाहर निकाल लिया है।

छोटी को बचाने में बड़ी बहन भी डूबी, मौत

दोनों सहेलियों के साथ तालाब में नहाने गई थी; नाना बोले-पता नहीं किसी ने धक्का दिया या गिरी

पन्ना (नप्र)। पन्ना जिले के सुनहरा गांव में बुधवार को दो सगी बहनों की मौत हो गई। रेलवे विभाग की ओर से खोदे गए गहरे तालाब में नहाने गई दो सगी बहनों की डूबने से मौत हो गई।

मृतक बच्चियों की पहचान रागिनी आदिवासी (8) और उसकी छोटी बहन आशिकी (6) आदिवासी के रूप में हुई है। दोनों अमानगंज के रामपुर गांव की निवासी थीं और अपने पिता कृष्णे आदिवासी मजदूरी करते है। उसकी तीन बेटियों में से दो थीं। परिजन के अनुसार, बच्चियां 24 मार्च को अपनी मां के साथ नानी के घर सुनहरा आई थीं। मां बच्चियों को नानी के पास छोड़कर अपने गांव लौट गई थीं।

नाना बोले-पता नहीं किसी ने धक्का दिया या गिर गई- मासूमों के नाना बोले सुनहरा तालाब में दोनों नहाने गई थी। रेलवे की ओर से गढ्ढे खोदे गए थे। उसी में नहाते समय पैर फिसला और दोनों डूब गई। पता नहीं कि किसी ने धक्का दिया या दोनों गिर गई। जब डॉक्टर के पास लाए तो डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अब दोनों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है।

सहेलियों के साथ तालाब किनारे खेलने-नहाने गई थीं- आज दोपहर दोनों बहनें अन्य सहेलियों के साथ तालाब किनारे खेलने और नहाने गई थीं। बताया जा रहा है कि नहाते समय छोटी बहन आशिकी का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगी।

उसे बचाने के लिए बड़ी बहन रागिनी आगे बढ़ी, लेकिन गहरे पानी का अंदाजा न होने के कारण वह भी डूब गई। साथ मौजूद अन्य बच्चियों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों को बाहर निकाला।

दोनों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया

परिजनों की ओर से दोनों बच्चियों को तुरंत जिला चिकित्सालय पन्ना ले जाया गया। वहां ड्यूटी पर तैनात डॉ. सौरभ त्रिपाठी ने जांच के उपरांत दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों का पंचनामा तैयार किया और पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है कि रेलवे विभाग द्वारा खोदे गए इस तालाब के आसपास सुरक्षा के क्या इंतजाम थे। मजदूरी कर जीवन यापन करने वाले पिता कृष्णे आदिवासी ने अपनी दो बेटियों को एक साथ खो दिया है।

5वीं का रिजल्ट 95 प्रतिशत, 8वीं का 94 प्रतिशत रहा

टॉप टेन जिलों में नरसिंहपुर नंबर वन, इंदौर का स्थान 9वां; भोपाल इस लिस्ट से बाहर

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश राज्य शिक्षा केंद्र ने बुधवार को कक्षा 5वीं और 8वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने वल्लभ भवन में एक कार्यक्रम के दौरान बटन दबाकर रिजल्ट घोषित किया। इस साल 5वीं के 95.14 प्रतिशत और 8वीं के 93.83 प्रतिशत स्टूडेंट्स पास हुए हैं। दोनों कक्षाओं में छात्रों की तुलना में छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 8वीं के पासिंग स्टूडेंट्स के परसेंटेज में स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का नरसिंहपुर जिला नंबर वन पर है। इंदौर का 9वां स्थान है और भोपाल टॉप टेन से बाहर है।

पेट्रोल पंपों में स्टॉक की कमी नहीं, आपूर्ति निर्बाध जारी : खाद्य मंत्री

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि 24 मार्च 2026 को प्रदेश के कुछ जिलो में पेट्रोल पंपों पर आम जनता के बीच अफवाह की स्थिति के कारण लाईनें लगने तथा उपभोक्ताओं द्वारा पेट्रोल की पैनिक खरीद का मामला संज्ञान में आया था।

उन्होंने बताया है कि पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल एवं डीजल के स्टॉक की कोई कमी नहीं है। पेट्रोल, डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। डिपो से भी पेट्रोल पंपों को निरंतर आपूर्ति की जा रही है। किसी भी प्रकार की अफवाह से भ्रमित होने की आवश्यकता नहीं है। घबराहट में न तो खरीदारी करें और न ही किसी प्रकार का संग्रह करें। ऑयल कंपनी द्वारा अवगत कराया है कि, आज की स्थिति में प्रदेश में पेट्रोल/डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, वर्तमान में पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हो रही है। राज्य स्तर से नियंत्रण कक्ष एवं प्रशासन द्वारा लगातार निगरानी कर स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को जन्म दिवस की दीं शुभकामनाएं

भोपाल । केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं हैं। केन्द्रीय मंत्री श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास और जन कल्याण के नए आयाम छू रहा है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने बाबा महाकाल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।